मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 99
रविवार, 20 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

संविधान पर हो रहा हमला, इसकी रक्षा करने की जरूरतः राहुल गांधी

रांची, 19 अक्टूबर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज झारखंड में हैं। राहुल गांधी ने संविधान सम्मान सम्मेलन' को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि जब भाजपा के लोग आदिवासियों को वनवासी कहते हैं तो वे क्या करना चाह रहे हैं? वे आपके जीवन जीने के तरीके, इतिहास और विज्ञान को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका आप हजारों वर्षों से पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी का अर्थ है जो पहले मालिक थे, जबकि वनवासी का अर्थ है जो जंगल में रहते हैं। राहुल ने कहा कि जब इस शब्द का प्रयोग किया जाता है तो यह सिर्फ एक शब्द नहीं होता। यह आपका पूरा इतिहास है। मैंने भारत की शिक्षा व्यवस्था में

अध्ययन किया है। आदिवासियों के बारे में आपको केवल 10-15 पंक्तियाँ ही मिलेंगी। उनका इतिहास क्या है, उनका जीवन जीने का तरीका क्या है... उसके बारे में कुछ नहीं लिखा गया है। उन्होंने कहा कि आपके लिए ओबीसी शब्द का इस्तेमाल किया गया था। क्या यह आपका नाम है?...किसने कहा कि आप पिछड़े हैं?...आपको आपका अधिकार नहीं दिया गया...इस देश को बनाने वाले किसानों, मजदूरों, बढ़ई, नाई, मोची का इतिहास कहां है? राहुल ने साफ तौर पर कहा कि आज संविधान के सम्मान के साथ ही उसकी रक्षा भी करनी है। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासियों की विरासत, इतिहास, परंपरा, चिकित्सा पद्धतियों को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बार-बार जोर दिया कि संविधान पर हर तरफ से हमला हो रहा है, इसकी रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली हमें मूल निवासियों के बारे में सिखाने में विफल रही; आदिवासियों, किसानों, ओबीसी का इतिहास नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नौकरशाही में शीर्ष 90 आईएएस अधिकारियों में केवल तीन ओबीसी हैं वित्त मंत्रालय में कोई दलित, आदिवासी नहीं।

इतिहास में पहली बार भारत की आवाज को सम्मान के साथ सुना गया : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि इतिहास में पहली बार भारत की आवाज को पहले से कहीं अधिक सम्मान के साथ सुना गया है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में भारत के उत्थान का मतलब वैश्विक शांति और स्थिरता होगा।

उपराष्ट्रपति ने मोहाली में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस लीडरशिप समिट 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपनी आबादी के अनुरूप वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण स्थान पर है, क्योंकि यहां ज्ञान और बुद्धि का भंडार है और मानवता का छठा हिस्सा इसी देश में रहता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत के उत्थान का मतलब होगा- वैश्विक शांति, वैश्विक स्थिरता और वैश्विक सद्भाव। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा, ह्यह्यभविष्य के नेताओं के तौर पर आप इस पारिस्थितिकी तंत्र को बनाने में प्रमुख हितधारक हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि नेतृत्व को राष्ट्रवाद से गहराई से जुड़ा होना चाहिए और राष्ट्र को इसके व्यापक हित में केंद्र में रखना चाहिए। धनखड़ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को अगली पीढ़ी के नेताओं की आवश्यकता है जो नवाचार और परिवर्तन को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने ऐसे नेतृत्वकताओं को तैयार करने पर भी जोर दिया जो भारतीय और वैश्विक समस्याओं के समाधान ढूंढ़ सकें और हर रोज भारतीयों की चुनौतियों को हल करने के लिए साझेदारी बना सकें। धनखड़ ने कहा, राष्ट्र को केंद्र में रखना होगा। हम दुनिया के किसी भी हिस्से में कुछ भी करें, हमारा दिल और आत्मा भारत में ही बसती है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महात्मा गांधी का स्वच्छ भारत का सपना साकार हो रहा है : मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 19 अक्टूबर। भारत के शहरों को कचरे के ढेर से पूरी तरह से मुक्त करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से देश भर में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) लॉन्च किया गया है। 2021 में घोषित किए गए स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1,41,600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण 2025 तक चलेगा। इस चरण में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में हुए अभूतपूर्व कार्यों के फलस्वरूप शहरों से कचरा निस्तारण के मामले में गुजरात देश भर में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बन गया है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात की 140 डम्प साइटों में जमा 221 लाख टन कचरे में से अब तक 210 लाख टन लीगेसी वेस्ट (कई वर्षों से इकट्ठा किया हुआ कचरा) का निपटान किया गया है। 95 फीसदी कचरे के निस्तारण के बाद अब केवल 5 फीसदी कचरे का निपटान ही बाकी है। कचरे के ढेर के निपटान के मामले में गुजरात देश के बड़े राज्यों में शीर्ष स्थान पर है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) फेज-2 के अंतर्गत 1000 टन या उससे अधिक कचरे की मात्रा वाली कुल 2426 डम्प साइटों की पहचान की गई है, जिनमें से 140 डम्प साइटें गुजरात में हैं।

500 एकड़ या उससे अधिक क्षेत्र में फैली डम्प साइट वाले राज्यों में भी साइट क्षेत्र को खाली कर फिर से उपयोग करने के लिए वापस लेने के मामले में गुजरात देश में अव्वल है। गुजरात में डम्प साइट के 930 एकड़ क्षेत्र में से 698 एकड़ क्षेत्र को खाली कर लिया गया है, इसके चलते 75 फीसदी जगह फिर से उपयोग के लिए प्राप्त हो गई है। राज्य में दो सबसे बड़ी डम्प साइटें (पिराणा और बोपल) अहमदाबाद में हैं, जहां से 129 लाख टन कचरे का निपटान किया गया है। इन डम्प साइटों के कुल 90 एकड़ क्षेत्र में से 46 एकड़ स्थान को खाली कर दिया गया है।

जम्मू के लोगों की अब नहीं होगी उपेक्षा, हमने हिंदू को बनाया डिप्टी सीएमः उमर अब्दुल्ला

कश्मीर, 19 अक्टूबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के कार्यकताओं ने शनिवार को पार्टी कार्यालय में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आगमन पर जश्न मनाया। उमर अब्दुल्ला ने बुधवार, 16 अक्टूबर को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में एक समारोह के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में और सुरिंदर कुमार चौधरी ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद पार्टी कार्यकर्तओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि अब उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी और हल किया जाएगा।

इसके साथ ही उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नतीजे घोषित होने से पहले ही, कुछ लोग अफवाह फैला रहे थे कि जम्मू के लोगों की अब उपेक्षा की जाएगी क्योंकि उन्होंने एनसी उम्मीदवार को नहीं चुना है। उन्होंने दावा किया कि मैंने कहा कि यह सरकार सबके लिए काम करेगी और सबके प्रतिनिधि होंगे। और हम न केवल अपने मतदाताओं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों की जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारे ऊपर डिप्टी सीएम मनोनीत करने की कोई बाध्यता नहीं थी। लेकिन हमने एक बनाया, वह भी सत्ताधारी पार्टी से।

उन्होंने कहा कि यह उन सभी को जवाब है जिन्होंने नेकां के खिलाफ केवल मुस्लिम पार्टी होने के नाते सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि हमारे डिप्टी सीएम जम्मू से हैं और हिंदू समुदाय से हैं और उनका मेरे परिवार से कोई लेना-देना नहीं है। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए सिविल सचिवालय पहुंचे थे। यह केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षण था। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया तथा उन्होंने (मुख्यमंत्री ने) सलामी गारद का निरीक्षण किया।

जम्मू-कश्मीर का दर्जा राज्य से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश किये जाने के बाद यहां के पहले मुख्यमंत्री बने अब्दुल्ला अपने कार्यालय कक्ष में पहुंचे जहां औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने से पहले कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अब्दुल्ला ने अपने कार्यालय की कुर्सी पर बैठे हुए फोटो के साथ ह्यएक्सह्व पर लिखा, ह्वमैं वापस आ गया हूं ह्व जम्मू-कश्मीर जब एक पूर्ण राज्य था तब 2009 से 2014 के बीच भी अब्दुल्ला मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने अपने नए प्रशासन की रूपरेखा तय करने के लिए प्रशासनिक सचिवों के साथ एक परिचयात्मक बैठक की।

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से चार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना, चांदी और नकदी जब्त

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। रेलवे सुरक्षा बल (अरपीएफ) ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन से चार ट्रेन से भारी मात्रा में सोने की छड़ें, चांदी और 85 लाख रुपये से अधिक की बेहिसाबी नकदी जब्त की। यह जानकारी रेल मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गयी है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंत्रालय ने पिछले दिनों ट्रेन से 4.01 करोड़ रुपये मूल्य के सामान बरामद किए। मंत्रालय ने कहा, आरपीएफ टीम हाई अलर्ट पर थी और उन्होंने कई ट्रेन की जांच की।

तलाशी के दौरान उन्हें चार अलग-अलग ट्रेन से 24 संदिग्ध पैकेट मिले। इसमें कहा गया है, शुरू में जो सामान्य पार्सल प्रतीत हुआ, उनमें आश्चर्यजनक रूप से 498 ग्राम सोने की छड़ें, 365 किलोग्राम चांदी और 85.72 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी थी।

आज काशी सहित पूरे देशवासियों को मिलेगा 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

- करोड़ रुपये की परियोजनाओं की दिवाली गिफ्ट
- भाजपाईयों ने झोकी पूरी ताकत, सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता, डोर टू डोर किया जनसंपर्क, बांटा निमंत्रण
- स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन संबंधी योजनाओं का मोदी करेंगे लोकार्पण व शिलान्यास

सुरेश गांधी

वाराणसी। विकास की परियोजनाओं से काशी का कायाकल्प करने वाली भाजपा की डबल इंजन की सरकार एक बार फिर पूर्वांचल समेत देश के अन्य भागों को दीपावली में विकास की सौगात देने जा रही है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

20 अक्टूबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह काशी से ही देश को 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करके देशवासियों को सौगात देंगे। इसके पहले प्रधानमंत्री स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, धर्म, पर्यटन से रोजगार, आवास, विमानन जैसी कई सुविधाओं का लोकार्पण करके जनता को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण व नए टर्मिनल भवन की नींव भी रखेंगे। वह आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय को आमजन के लिए लोकार्पित करेंगे और सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगो से संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संस्कृत विद्यालयों और अस्पतालों में तीमारदारों के लिए शुरू की गई निःशुल्क भोजन व्यवस्था की घोषणा मंच से कर सकते है। कार्यक्रम के अंतर्गत, करीब 1 बजे पीएम वाराणसी पहुंचेंगे और लगभग 6 बजे काशी से रवाना हो जाएंगे। प्रधानमंत्री की अगवानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री समेत कई केंद्रीय और कैबिनेट मंत्रियों के मौजूद रहने की भी संभावना है। सिविल एविएशन, ओलिंपिक संघ आदि के पदाधिकारी भी मौजूद रह सकते है। प्रधानमंत्री का स्वागत बाबतपुर हवाई अड्डे से लेकर सिगरा तक के सड़कें व चौराहों को होर्डिंग्स, झंडा व बैनर से पाट दिया गया है। एक तरह से पूरी काशी भगवा रंग में रंगी नजर आ राही है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम के अनुसार, वह बाबतपुर हवाई अड्डे से सड़क मार्ग से शंकर नेत्रालय पहुंचेंगे और वहां नेत्रालय का उद्घाटन करेंगे। और वहीं पर शंकर नेत्रालय से जुड़े एक हजार विशिष्ट जनों से संवाद करेंगे इसके बाद वह सिगरा में 200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री मोदी अपराह्न 3 बजे सिगरा स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसमें वाराणसी जिले और महानगर के भाजपा कार्यकर्ता और आम जनता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

न्यायालय की जनता की अदालत की भूमिका संरक्षित रखी जानी चाहिएः डी.वाई.चंद्रचूड

पणजी, 19 अक्टूबर। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की जनता की अदालत की भूमिका संरक्षित रखी जानी चाहिए लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं है कि वह संसद में विपक्ष की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि कानूनी सिद्धांत की असंगतता या त्रुटि के लिए न्यायालय की आलोचना करना उचित है, लेकिन परिणामों के परिप्रेक्ष्य से उसकी भूमिका या कार्य को नहीं देखा जा सकता। प्रधान न्यायाधीश दक्षिण गोवा में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन

(एससीएओआरए) के आयोजित पहले सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, उच्चत न्यायालय की न्याय तक पहुंच का प्रतिमान पिछले 75 वर्षों में विकसित हुआ है और कुछ ऐसा है जिसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। न्यायामूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जब समाज बढ़ता है समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा बनती है कि आपको केवल बड़ी-बड़ी चीजों पर ही ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। हमारा न्यायालय जनता की अदालत है और मुझे लगता है कि लोगों की अदालत के रूप में शीर्ष न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अब, जनता की अदालत होने का मतलब यह नहीं है कि हम संसद में विपक्ष की भूमिका निभाएं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मुझे लगता है, विशेष रूप से आज के समय में, उन लोगों के बीच एक बड़ा विभाजन है जो सोचते हैं कि जब आप उनके पक्ष में निर्णय देते हैं तो उच्चतम न्यायालय एक अद्भुत संस्था है, और जब आप उनके खिलाफ निर्णय देते हैं तो यह एक ऐसी संस्था है जो बदनाम है।

वैश्विक जलचक्र असंतुलन से जुड़ी चुनौतियां की गंभीरता

-ललित गर्ग

असंतुलित जलचक्र के कारण समूची दुनिया के समुख पानी एक बड़ी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण समस्या बन रही है। पृथ्वी के चारों ओर पानी के घूमने की प्रणाली को जल-चक्र कहा जाता है, जीवन को संचालित करने के लिए जिसका सुचारु होना आवश्यक होता है। पूरी दुनिया में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाओं की चेतावनी लम्बे समय से दिये जाने के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पानी के दुरुपयोग, जल संसाधनों के कुप्रबंधन, बदलते जलवायु, भूमि के बढ़ते उपयोग और वन क्षेत्रों में कटौती ने समूचे जल-चक्र को असंतुलित कर दिया है। कहते हैं कि पानी की असल अहमियत वही शख्स समझता है, जो तपते रेगिस्तान में एक बूंद पानी की खोज के लिए मीलों भटका हो। वह शख्स पानी की कीमत क्या जाने, जो नदी के किनारे रहता है। भारत के कई राज्यों में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले ही साल 21 शहरों में भूजल खत्म होने की आशंका व्यक्त करते हुए एक बार फिर चेताया है।

नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं। जलसंकट पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। समय-समय पर प्रकृति चेतावनियां देती है पर आधुनिकता के कोलाहल में हम बहरा गये हैं। आज देश का कोना-कोना जल समस्या से ग्रस्त है। वर्ष 2018 में कर्नाटक ने अभूतपूर्व बाढ़ देखी थी, किंतु अब 2019 में उसके 176 में से 156 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं।

महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ भयंकर जल समस्या का सामना कर रहे हैं।

विश्लेषकों द्वारा तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका पानी के लिए व्यक्त की जाती रही है। निकट भविष्य में पानी का प्रयोग अस्त्र रूप में भी संभावित है। कुछ समय पहले पाकिस्तान से तनाव हो जाने पर भारत द्वारा सिंधु नदी के प्रवाह को रोक कर पानी की उपलब्धता बाधित करने की चेतावनी दी गई थी। जबकि देश में ही पानी की अनुपलब्धता की समस्या पूरे राष्ट्र में पिछले 10-15 साल से चल रही है। इसके मूल में नियमित रूप से वर्षा का न होना तथा सूखा पड़ते रहना तथा सरकार की गलत नीतियां भी हैं। पानी की उपलब्धता की स्थिति को देखते हुए यह लगने लगा है कि विश्वयुद्ध हो या न हो, पर हर गली- मोहल्ले में, शहर -शहर में, गांव- गांव में पानी के लिए 10-15 वर्ष में ही युद्ध होंगे और भाईचारे के साथ रह रहे पड़ोसी पानी के लिए आपस में लड़ेंगे। भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश जल-समस्या से पीड़ित है। पृथ्वी पर तीन अरब लोग पहले से जल संकट का सामना कर रहे हैं। अब जल-चक्र असंतुलन से न जाने और कितने लोग संकट में आ जाएंगे। बड़ी चिंता यह भी कि इससे दुनिया की जीडीपी को आठ से पंद्रह प्रतिशत तक नुकसान हो जाएगा। दरअसल, प्रकृति की उपेक्षा के साथ-साथ सिर्फ अपना लाभ देखने की दुष्प्रवृत्ति ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। जल की बबार्दी, वन क्षेत्रों का खात्मा, पेड़-पौधों का लगातार काटना, ओजोन परत को नुकसान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु संकट और इन सब के कारण अंततः जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर ही आती आंच के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है। एक तथ्य यह भी है कि इन दुष्परिणामों की चिंता तो खूब होती रही है, लेकिन सरकारें एवं आमजन इस समस्या के प्रति उतना गंभीर नहीं है, जितनी अपेक्षा है। देश के जो क्षेत्र जल संकट की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं, उन क्षेत्रों में एक घड़े पानी की कीमत व्यक्ति या मनुष्य के जीवन से अधिक है। वहां गर्मी में तो महिलाएं प्रातःकाल से ही जल की व्यवस्था में जुट जाती हैं। बदलते जलवायु परिवर्तन का आलम यह है कि देश में जहां सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आ रही है। चरम जलवायु घटनाओं का स्वरूप बदल रहा है। जल चक्र पर भी इसका असर पड़ रहा है। बीते समय में चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इन्हीं घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और इसका मुकाबला करने के लिए मोदी सरकार ने मिशन मौसम शुरू किया है। ह्यमिशन मौसमह्न के तहत सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौसम की भविष्यवाणी को बेहतर बनाने का काम करेगी। हर साल चक्रवात, बाढ़, सूखा और हीटवेव जैसे जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं के चलते करीब 10,000 लोगों की मौत हो जाती है। ह्यमिशन मौसमह्न की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी से इनमें से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरकार ने ह्यमिशन मौसमह्न के लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इतना ही नहीं ये सरकार को आपदा के आने से पहले तैयार होने और उसके बाद जनजीवन को जल्द से जल्द सुचारु करने में भी मदद करेगा। मिशन ह्लमौसम प्रबंधनह्न तकनीकों का पता लगाएगा और इसमें कृत्रिम रूप से बादलों को विकसित करने के लिए एक प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना और नए उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ जोड़ना शामिल है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलों और बिजली के साथ-साथ इसे भी रोक सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलचक्र के असंतुलित होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर भी आवाज बुलंद होती रही हैं, पर जैसे हालात बनते जा रहे हैं इन चिंताओं का असर ढाक के तीन पात जैसा ही है। इससे भी गंभीर बात यह कि जल-चक्र बिगड़ने से दुनिया का आधा खाद्य उत्पादन ही खतरे में आ गया है। तब उन देशों का क्या होगा, जो पहले से खाद्यान्न संकट को झेल रहे हैं। जाहिर है, संकट में शामिल देशों की सूची बढ़ती ही जाएगी। कहना न होगा कि अब भी नहीं संभले और विकास का वैकल्पिक रास्ता नहीं खोजा, तो भयावह स्थिति को कोई नहीं रोक सकता। जलचक्र के असंतुलन की स्थिति का आकलन कोरी कल्पना पर आधारित नहीं है। विशेषज्ञों के समूह ह्यग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटरह्न ने तथ्यों और परिस्थितियों के गहन वैज्ञानिक अनुसंधानों और विश्लेषणों के माध्यम से भयावह हालात की ओर आगाह किया है। हालात चिंताजनक इसलिए हुए हैं क्योंकि सभी संसाधनों के क्षरण की गति बेतहाशा बढ़ गई है। समस्या न केवल वैश्विक है बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए वैश्विक स्तर के प्रयासों से ही जल-चक्र के असंतुलन से उत्पन्न परिस्थितियों के समाधान की राह तलाशनी होगी। नीति आयोग के एक ताजा सर्वे के अनुसार भारत में 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट का सामना कर रही है। अपर्याप्त और प्रदूषित जल के उपभोग से भारत में हर साल 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार भारत में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर जिस प्रकार पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं, उससे लगता है कि 2030 तक भारत के 21 महानगरों का जल पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा और वहां पानी अन्य शहरों से लाकर उपलब्ध कराना होगा। जल से जुड़ी चुनौतियां एवं जलचक्र के असंतुलित होने की स्थितियों को स्वीकार कर हम भारतीयों को संकल्पित होना होगा इन चुनौतियों एवं समस्याओं से जूझने के लिये।

तेजी से बढ़ रहा है राष्ट्रीय पार्टियों का दबदबा, घबराहट में क्षेत्रीय दल !

अशोक भाटिया

इस वर्ष 2024 में हुए केंद्र व राज्यों के चुनावों में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा । हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ा पर भले ही सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन कि बनी पर भारतीय जनता पार्टी का वोट प्रतिशत 25.64% रहा, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस से अधिक रहा । दूसरे दलों की बात करें तो वे दूर झ दूर तक दिखाई नहीं दिए । नेशनल कॉन्फ्रेंस- 42 बीजेपी-29 कांग्रेस-6 पीडीपी-3 मार्क्सवादी म्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम)- 1 जम्मू और कश्मीर पीपुल कॉन्फ्रेंस (जेपीसी)-1 आम आदमी पार्टी-1 स्वतंत्र उम्मीदवार- 7 यानी वर्चस्व बड़े दलों का रहा .

यदि हरियाणा के चुनाव को देखा जाय तो वहां सीधी लड़ाई कांग्रेस व भाजपा में रही , और आंकड़े देखे तो कांग्रेस ने सीपीएम के साथ मिलकर 90 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट सीपीएम को दी. वहीं भाजपा ने 89 सीटों पर चुनाव लड़ा. दुष्यंत चौटाला की जेजेपी ने चंद्रशेखर आजाद की एएसपीकेआर (अरढडफ) के साथ मिलकर कुल 78 सीटों पर चुनाव लड़ा. जेजेपी 66 सीटों पर लड़ी तो एएसपीकेआर 12 सीटों पर. वहीं अभय चौटाला की आईएनएलडी और बसपा (इरढ) ने कुल 86 सीटों पर चुनाव लड़ा. इसमें आईएनएलडी 51 सीटों पर तो बसपा 35 सीटों पर चुनाव लड़ी. अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी तो सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ी.भाजपा को 48 सीट व कांग्रेस को 37 सीट , इंडियन नेशनल लोक दल- 2 निर्दलीय- 3

गौरतलब है कि केंद्र और राज्यों में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई रही । कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे, लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियां का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दल का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी हश्र रहा। मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले । छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले ।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती । बीएसपी को 2 सीटें मिली ।लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा ।

ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी । कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए । बीएसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। अब बात करें तेलंगाना की कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है, लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है। तेलंगाना में मिली कांग्रेस की जीत और बीआरएस की हार का सियासी प्रभाव सिर्फ दक्षिण की सियासत तक ही सीमित नहीं बल्कि क्षेत्रीय की राजनीति पर भी पड़ेगा।

तेलंगाना में बीआरएस को असदुद्दीन ओवैसी का साथ भी नहीं बचा सका और केसीआर सत्ता की हैट्रिक लगाने से चूक गए। ओवैसी भले ही सात सीटें अपनी बचाने में कामयाब रहे, लेकिन केसीआर की सत्ता नहीं बचा पाए। कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना के नतीजे बताते हैं कि मुसलमानों का भरोसा क्षेत्रीय दलों से उठ रहा है और कांग्रेस की तरफ उनका झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे सोचने वाली बात यह है कि तेलंगाना में कांग्रेस की जीत क्या अखिलेश यादव के लिए बुरी खबर है? देखा जाय तो मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न तेजी से बदल रहा है। पहले दिल्ली के एमसीडी चुनाव में मुसमलानों ने आम आदमी पार्टी से मूंह मोड़ा और कांग्रेस के पक्ष में वोट किया। मुसलमान यह बात अच्छे से जानते हुए कि मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है और कांग्रेस चुनावी लड़ाई में नहीं है। मुस्लिमों का कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग करना सियासी बदलाव के तौर पर देखा गया। दिल्ली के बाद कर्नाटक के चुनाव में मुसमलानों ने एकमुश्त वोट कांग्रेस के पक्ष में किया और जेडीएस को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया था। जेडीएस ने 23 मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे, लेकिन मुस्लिम इन सीटों पर कांग्रेस के हिंदू कैंडिडेट के पक्ष में वोटिंग किया था। एचडी देवगौड़ा के मजबूत गढ़ पुराने मैसूर क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को जेडीएस का कोर वोटबैंक माना जाता था, जहां पर 14 फीसदी मुस्लिम हैं। इस बार के चुनाव में मुस्लिम मतदाता जेडीएस को दरकिनार कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में एकजुट हो गए थे। वहीं, अब मुस्लिमों ने तेलंगाना चुनाव में ओवैसी की पार्टी को पुराने हैदराबाद के इलाके की सीटों पर वोट किया, लेकिन तेलंगाना के बाकी इलाके में कांग्रेस के साथ रहे।

देश भर के मुस्लिमों की रहनुमाई का दावा करने वाले असदुद्दीन ओवैसी का गृह राज्य तेलंगाना है। ओवैसी ने तेलंगाना में केसीआर का खुलकर समर्थन किया था। मुस्लिमों ने हैदराबाद में उनकी परंपरागत सात सीटों पर भरोसा जताया, लेकिन बाकी हिस्से में उनका जादू मुस्लिमों पर नहीं चला। ओवैसी के सहारे मुस्लिम वोटों की पूरी तरह से मिलने की आस अधूरी रह गई है। मुस्लिम ने बीआरएस का साथ छोड़कर कांग्रेस के पक्ष में वोट किया जबकि सीएम केसीआर ने सत्ता में रहते हुए मुस्लिमों के लिए बहुत सारे काम किए थे। इसके बावजूद मुसलमानों ने बीआरएस के बजाय कांग्रेस को वोट किया। केसीआर ने अलग से आईटी-पार्क, शादी मुबारक जैसी योजना के बाद मुस्लिमों ने राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए उसी तरह से किनारे कर दिया, जिस तरह से कर्नाटक में जेडीएस को किया था। मुसलमानों का वोट एकतरफा कांग्रेस को मिला, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा से मुकाबला करने में क्षेत्रीय दल से ज्यादा कांग्रेस सक्षम होगी। इसलिए कांग्रेस को मजबूत करने की मंशा से वोट कर रहा है। कांग्रेस ने तेलंगाना में बीआरएस को भाजपा की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही, जिसके चलते मुस्लिमों को लगा है कि बीआरएस चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसी तरह कांग्रेस ने कर्नाटक में जेडीएस को भाजपा की बी-टीम बताकर मुस्लिमों को बीच उसे कठघरे में खड़ा कर दिया था। अरविंद केजरीवाल पर भी कांग्रेस ऐसे ही सवाल खड़े करती रही है और उन्हें भाजपा की बी-टीम बताती रही। यह रणनीति कांग्रेस को फायदेमंद नजर आ रही है और मुस्लिमों का क्षेत्रीय दलों से मोहभंग हो रहा है।

राहुल गांधी की ह्यभारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस मुस्लिम समुदाय का भरोसा जीतने में लगातार कामयाब होती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के लिए तेलंगाना की जीत अच्छी खबर है, लेकिन सपा को टेंशन दे दी है। 2022 विधानसभा चुनावों को देखें तो उत्तरप्रदेश में मुसलमानों का एकमुश्त वोट सपा को मिला था। इसी तरह से बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पर भरोसा जताया था। मुस्लिम मतों के बदौलत ही सपा से लेकर आरजेडी और ममता तक सभी क्षेत्रीय दल सत्तासुख भोग रहे हैं। हालांकि, अब अगर मुसलमानों ने कांग्रेस में वापसी कर ली तो इन क्षेत्रीय दलों की हालत पतली हो जाएगी।

अब कांग्रेस की नजर उत्तर प्रदेश पर है और मुस्लिम वोटर्स पर सपा का फिलहाल कब्जा है। कांग्रेस मुस्लिमों का विश्वास जीतने के लिए हरसंभव दांव चल रही है। कर्नाटक, तेलंगाना में जिस तरह से मुस्लिमों ने वहां के क्षेत्रीय दलों के बजाय कांग्रेस पर भरोसा जताया है, वैसे ही अगर उत्तरप्रदेश में भी मुस्लिमों ने कांग्रेस की तरफ रुख करते हैं तो फिर सपा के लिए अपनी सियासी जमीन बचाय रखना मुश्किल होगा। इसकी वजह यह है कि सपा का कोर वोटबैंक यादव और मुस्लिम है।

उत्तरप्रदेश में यादव 10 फीसदी तो मुस्लिम 20 फीसदी है। 2022 चुनाव में 87 फीसदी मुस्लिम समुदाय का वोट सपा को वोट मिला था। इसमें से अगर मुस्लिम वोट छिटक जाता है तो सपा के लिए अपने राजनीतिक वजूद को बचाए रखना मुश्किल होगा। मुस्लिम मतदाता पिछले चार चुनाव से सपा को वोट देकर देख लिया है, लेकिन अखिलेश यादव भाजपा को हराने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में मुस्लिम समुदाय का झुकाव तेलंगाना, कर्नाटक और दिल्ली की तरह उत्तरप्रदेश में भी होता है तो फिर सारे समीकरण बदल जाएंगे। इस बात को मुलायम सिंह यादव भी समझते थे, जिसके चलते कांग्रेस से हमेशा दूरी बनाए रखते थे।

भारत का महान सेनानायक सुभाष चंद्र बोस

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस तथा आजाद हिंद फौज का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री सुभाष चन्द्र बोस भारत में नेताजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। इनका जन्म 23 जनवरी 1897 ई. को कलकत्ता में हुआ था। बाद में इन्होने लंदन से आई.सी.एस. की परीक्षा पास की। तत्पश्चात नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कांग्रेस में शामिल हो गये, क्योकि एक बड़ा अफसर बनने के बजाय देश सेवा उन्हें अधिक प्रिय थी, ये कांग्रेस के गर्मदल के नेता थे। 1930 ई. तथा 1938 में ये क्रमशः कलकत्ता कार्पोरेशन के प्रधान तथा कांग्रेस के प्रधान चुने गये।

महात्मा गांधी से नैतिक मतभेद हो जाने के कारण उन्होंने कांग्रेस के उच्चपद से त्यागपत्र दे दिया। 1941 में सरकार ने उन्हें घर में ही नजरबंद को दिया पर वे बड़ी चतुराई से निकल गये तथा जर्मनी पहुंच गये। नेताजी जर्मनी से जापान आ गये। वह दूसरे विश्वयुद्ध का समय था। जर्मनी तथा जापान अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ रहे थे। उसी समय नेताजी ने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व किया, ताकि अंग्रेजों से युद्ध करके भारत को स्वतंत्र कराया जाय। उनके अफसर बड़े उत्साह से उनकी आज्ञाओं का पालन करते थे। तथाकथित तौर पर 1945 मे नेताजी हवाई जहाज की दुर्घटना से स्वर्ग सिधार गए, वैसे वे उड़े थे तो जो हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हुआ था उसमें वे थे या नहीं, या फिर वे इसके पूर्व ही किसी हवाई अड्डे में उतर गये थे, यह भी एक विवाद का विषय बना हुआ है, किजो हवाई जहाज दुर्घटना ग्रस्त होकर गिरा था उसके मलबे में सब कुछ मिला लेकिन अनथक प्रयास के बाद भी नेताजी का पार्थिव शरीर नहीं प्राप्त हो पाया था। आजाद हिंद फौज का निर्माण- दूसरे विश्वयुद्ध में जर्मनी तथा जापान विजयी हुए और अंग्रेज हार गये। 15 फरवरी 1942 को जापानियों ने सिगापुर पर अधिकार कर लिया। इस विश्वयुद्ध में साठ हजार भारतीय सैनिकों को जापानियों ने बंदी बना लिया। 17 फरवरी 1942 को जापानी सेनापति मेजर क्यूजिवारा ने प्रमुख भारतीय कैदी अफसरों से कहा कि वे जापानियों की सहायता करें। प्रस्ताव भारतीयों ने मान लिया। पर उन्हें डर था कि कहीं अंग्रेजों को निकालकर जापान स्वयं न भारत पर अधिकार कर ले, इसलिये भारतीय अफसरों ने जापानी सेनापति से सोच-विचार करने के लिये समय मांगा। जापान की राजधानी टोकियो में जापान के बंदी भारतीय अफसरों तथा दक्षिण पूर्वी एशिया के अन्य भारतीयों का एक सम्मेलन हुआ। श्री रास बिहारी बोस इस सम्मेलन के अध्यक्ष थे। वहां पर आजाद हिंद फौज के निर्माण के लिये निम्नलिखित प्रस्ताव स्वीकृत हिंदुस्तान पर सैनिक आक्रमण करने वाली सभी सैनिक टुकड़ियों का संचालन भारतीय अफसरों के हाथ में रहे। जापान से हवाई और समुद्री हमलों के लिये सहायता ली जाये परंतु सारा काम आजाद हिंद फौज के सुपुर्द हो, तथा जब भारत अंग्रेजों के हाथ से मुक्त हो जाय तब आजाद हिंद का शासन विधान भारतीय जनता के प्रतिनिधि तैयार करें।

जून 1942 में वैकांक में आजाद हिंद संघ नामक एक संस्था कायम की गई जिनके अध्यक्ष श्री रास बिहारी बोस थे। इस संस्था का मुख्य कार्य था आजाद हिंद फौज की भर्ती तथा उसकी व्यवस्था करना। संघ की रीति नीति एवं कार्यप्रणाली अखिल भारतीय कांग्रेस के समान ही थी। तिरंगा झंडा संघ की राजपताका बनाई गई। इस संघ के मुख्य उद्देश्य थे। श्विश्वास, एकता और बलिदान तथा भारत अविभाज्य है, आजाद हिंद संघ तथा आजाद हिंद फौज सिंगापुर में बनाया गया। अपने व्यक्तित्व के कारण सुभाष चंद्र बोस जापान सरकार को आजाद हिंद फौज की कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप न करने के लिये विवश कर दिया। अप्रैल 1943 में सुभाषचंद्र बोस ने सिंगापुर में आजाद हिंद फौज के नेताओं को बुलाकर उन्हें परामर्श दिया कि वे सब दिल्ली में चलकर वायसराय भवन पर तिरंगा झंडा फहरायें और लाल किले पर विजय परेड करें। जयहिंद के नारे का चलन इसी समय से प्रारंभ हुआ। सुभाष चंद्र की सेना में पुरुष सैनिकों के अतिरिक्त स्त्रियां भी थी। स्त्रियों की सेना का नेतृत्व डाक्टर कुमारी लक्ष्मी स्वामी नाथन ने किया।

21 अक्टूबर 1943 को नेताजी ने सिंगापुर मे आजाद हिंद सरकार की स्थापना की। जर्मनी, जापान, इटली, ब्रम्हा, मलाया, फिलिपाइन, इंडोनेशिया हिंदचीन मंचूरिया और कोरिया आदि देशों ने तुरंत इसे स्वतंत्र भारत की वैध सरकार के रूप में स्वीकार कर लिया और कुछ देशों के साथ परस्पर राजदूतों का आदान-प्रदान भी होने लगा। 24 अक्टूबर 1943 को स्वतंत्र भारत की इस वैध, सरकार ने अमरीका और इंग्लैंड के विरुद्ध यद्ध की घोषणा कर दी। 4 फरवरी 1943 को आजाद हिंद फौज ने आसाम आक्रमण किया। गांधी नेहरु तथा आजाद रेजिमेंटों ने 18 मार्च 1943 को भारत भूमि पर पांव रखा और प्रगति करती हुई इन्फाल तक आ पहुँची। आजाद हिंद फौज को युद्ध सामग्र की सहायता जापान सरकार से प्राप्त होनी थी। धीरे-धीरे जापानियों की हार होने लगी। आजाद हिंद फौज मे भी. खाद्य सामग्री तथा युद्ध सामग्री का अभाव हो गया, जिससे उनकी प्रगति में रूकावट आ गई। 23 अप्रैल 1944 को जापानी रंगून छोड़कर भाग गये, और पुनः अंग्रेजों का अधिकार हो गया। नेताजी टोकियों जाते समय मार्ग में हवाई जहाज की दुर्घटना का शिकार हो गये और आजाद हिंद फौज ने विवश होकर हथियार डाल दिये। भारत की अंग्रेज सरकार ने प्रेमकृष्ण सहगल, गुरुबख्स सिंह ढिल्लो और शाहनवाज खाँ आदि भारतीय अफसरों पर मुकदमे चलाए पर भारतीयों के अनुरोध कर सरकार ने सबको रिहा कर दिया। आजाद हिंद फौज के संस्थापक सदस्य सुभाष चन्द्र बोस ने भारत को स्वतंत्र कराने के लिये अपना तन मन धन सब कुछ न्यौछावर कर दिया।

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आईपीएल ने भारतीय ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम को मजबूत बनाया

अंतर्राष्ट्रीय ट्वेंटी-20 टीम में चुने जाने के लिए खिलाड़ियों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण गुण होने चाहिए :

आक्रामक बल्लेबाजी- टी-20 फॉर्मेट में तेज और आक्रामक बल्लेबाजी की जरूरत होती है। एक खिलाड़ी को तेजी से रन बनाने में सक्षम होना चाहिए और उसकी बल्लेबाजी में विविधता होनी चाहिए।

गेंदबाजी में विविधता- टी-20 में गेंदबाजों पर काफी दबाव होता है, इसलिए जरूरी है कि खिलाड़ियों में अलग-अलग तरह की गेंदें फेंकने की क्षमता हो, जैसे यॉर्कर, स्लोअर और स्पिन आदि।

फील्डिंग करते समय चपलता- टी-20 में फील्डिंग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक खिलाड़ी के पास तेज दौड़ने, सटीक थ्रो करने और तेजी से कैच पकड़ने की गहराई होनी चाहिए।

दबाव में खेलने की क्षमता- टी-20 एक तेज गति वाला खेल है। इसलिए खिलाड़ियों को दबाव में शांत रहने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी चाहिए।

ऑलराउंडर कौशल- आधुनिक टी-20 क्रिकेट में ऑलराउंडरों का महत्व बढ़ गया है। जो खिलाड़ी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में योगदान दे सकते हैं वे टीम के लिए फायदेमंद होते हैं।

गेम सेंस- टी-20 गेम में खेल की स्थिति के आधार पर त्वरित निर्णय लेने और निर्णयों में त्वरित बदलाव की आवश्यकता होती है। खिलाड़ियों को खेल की स्थिति की बारीकी से समझ होनी चाहिए।

फिटनेस- टी-20 क्रिकेट में खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक फिटनेस बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि खेल की गति तेज होती है। मैदान पर फुतीर्ला बने रहने, लंबे समय तक सांस फूलने से बचने के लिए उच्च फिटनेस स्तर की आवश्यकता होती है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टी-20 टीम में जगह पाने के लिए खिलाड़ियों के लिए ये गुण जरूरी हैं। इन सभी प्वाइंट्स को पाने के लिए खिलाड़ी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि भारतीय खिलाड़ियों को इस तरह के प्वाइंट्स हासिल करने के लिए एक अच्छा प्लेटफॉर्म उपलब्ध है। हम सभी जानते हैं कि वह मंच क्या है। यह एक भव्य दिव्य मंच है, आईपीएल का मतलब इंडियन प्रीमियर लीग !!! भारतीय टीम ने इस टूनार्मेंट के जरिए कई अच्छे खिलाडी.प्राप्त किए हैं। वर्तमान भारतीय ट्वेंटी-20 टीम निश्चित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग से प्रभावित है, क्योंकि आईपीएल युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर पर अपने कौशल दिखाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। कई खिलाड़ियों ने आईपीएल के माध्यम से अपना कौशल विकसित किया है, महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलते हुए दबाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

उदाहरणः

हार्दिक पंड्या- हार्दिक की हरफनमौला क्षमता को आईपीएल में उनके प्रदर्शन से पहचान मिली, जिसके कारण उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली।

सूर्यकुमार यादव- मुंबई इंडियंस के लिए उनके लगातार आईपीएल प्रदर्शन ने उन्हें टी-20 टीम में जगह दिलाई और वह अब न केवल एक प्रमुख खिलाड़ी हैं बल्कि टीम के कप्तान भी हैं।

ईशान किशन- मुंबई इंडियंस के लिए उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने चयनकताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने कई बार अपनी टीम के लिए आक्रामक पारियां खेली हैं।

शुभमन गिल- हालांकि उन्होंने अपने करियर की शुरूआत अंडर-19 क्रिकेट में की थी, लेकिन आईपीएल में उनके प्रदर्शन ने उन्हें शीर्ष बल्लेबाजों में जगह दिला दी है। वह लगभग सभी फॉर्मेट में बहुत अच्छा खेलते नजर आते हैं।

अर्शदीप सिंह-आईपीएल में उनके डेथ बॉलिंग कौशल ने उन्हें राष्ट्रीय टीम में बुलावा दिलाया। वह काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में भी खुद को साबित किया है। रिंकू सिंह, संजू सैमसन, रियान पराग, नितेश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा और कई अन्य खिलाड़ी आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। इन खिलाड़ियों ने आईपीएल जैसे टूनार्मेंट में अपना करिश्मा दिखाकर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है । आईपीएल कई खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन मंच रहा है, जिससे भारत को ट्वेंटी-20 प्रारूप के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल तैयार करने में मदद मिली है। सबसे खास बात ये है कि आईपीएल जैसे टूनार्मेंट में आपको न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर की ताकतवर टीमों के खिलाड़ी देखने को मिलते हैं और उन खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। उनसे प्रतिस्पर्धा करने के बाद हमारे खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी खूबियां दिखाने का शानदार मौका मिलता है और यही कारण है कि आईपीएल जैसे टूनार्मेंट ने भारतीय टीम के लिए इतने अच्छे खिलाड़ी उपलब्ध कराए हैं। इन और कई अन्य कारणों से भारतीय क्रिकेट टीम ट्वेंटी-20 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी मजबूत बन रहीं है।

आईपीएल जैसे बड़े टूनार्मेंट से भारतीय टीम को भविष्य में भी बेहतर खिलाड़ी मिलते रहेंगे। बस खिलाड़ियों को अपनी एकाग्रता बनाए रखना जरूरी है ! मेहनत भी करनी है !! इतने बड़े टूनार्मेंट के दौरान कई खिलाड़ी अपना पूरा हुनर ??दिखाते हैं और अपनी जान की बाजी लगाकर खेलते नजर आते हैं। जब खिलाड़ी आईपीएल जैसे टूनार्मेंट में प्रतिस्पर्धा करने या चुनौती लेने का साहस और कौशल दिखाते हैं, तो कई गुणों को जैसे नेतृत्व शैली आदि को भी गुंजाइश मिलती है !!! उसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ हमारी भारतीय ट्वेंटी-20 टीम को मिल रहा है। भारतीय टीम को ढेर सारी शुभकामनाएँ !

-डॉ. गोकुलसिंह गिरासे

मुंबई में दिखी ओडिशा के औद्योगिक विकास के विजन की झलक

मुंबई। ओडिशा की औद्योगिक विकास और निवेश की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर मुंबई में हुए सफल रोड शो में प्रकाश डाला गया। दिल्ली के बाद यह इस ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रोड शो का दूसरा पड़ाव था। माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी के नेतृत्व में संपन्न हुए इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम ने 28-29 जनवरी, 2025 को भुवनेश्वर में होने वाले उत्कर्ष ओडिशा- मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 की तैयारियों को आगे बढ़ाया। मुंबई के कार्यक्रम में उद्योग के शीर्ष नेताओं और प्रभावशाली व्यापारियों ने भाग लेकर ओडिशा के बढ़ते निवेश परिदृश्य पर केंद्रित रणनीतिक चचाओं में भाग लिया। माननीय मुख्यमंत्री श्री माझी ने अपने मुख्य भाषण में कौशल-संचालित उद्योगों के केंद्र के रूप में ओडिशा के तेजी से हो रहे परिवर्तन को रेखांकित किया, जिसमें आईटी, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा, प्लास्टिक, रसायन और पेट्रोकेमिकल जैसे क्षेत्रों पर जोर दिया। माननीय मुख्यमंत्री ने प्रमुख उद्योगपतियों के साथ आमने-सामने बैठकें की। प्रमुख क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चचाएँ की गई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों निवेशकों के लिए पसंदीदा निवेश डेस्टिनेशन के रूप में ओडिशा का स्थान मजबूत करने पर जोर दिया गया। आईटी, रसायन, पेट्रोकेमिकल्स, विनिर्माण, प्लास्टिक और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के दिग्गजों के साथ उच्च स्तरीय व्यावसायिक जुड़ाव। फूड प्रोसेसिंग पार्क, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब के विस्तार जैसी चल रही पहलों पर प्रकाश डाला गया। पूर्वोदय योजना जैसी राष्ट्रीय विकास रणनीतियों के साथ ओडिशा में उठाए जा रहे कदम यह सुनिश्चित करते हैं कि यह राज्य भारत के समग्र आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दिल्ली के बाद मुंबई में हुए इस रोड शो ने दिखा दिया कि ओडिशा भारत के औद्योगिक विकास के सफर में एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ओडिशा सरकार के मुख्य सचिव श्री मनोज आहूजा ने उद्घाटन भाषण में कार्यक्रम का संदर्भ स्पष्ट किया, जिसके बाद उद्योग के प्रमुख सचिव श्री हेमंत शर्मा ने राज्य की औद्योगिक शक्तियों और अवसरों को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी। ओडिशा के व्यापक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लान, विश्व स्तरीय कौशल इकोसिस्टम और रणनीतिक स्थान चर्चा के मुख्य बिंदु थे। ओडिशा की बढ़ती औद्योगिक ताकत पर विचार करते हुए, माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने कहा, ओडिशा अपने व्यापार-अनुकूल वातावरण के साथ अपार अवसर प्रदान करता है जो BRAP 2022 में मान्यता के माध्यम से प्रदर्शित होता है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और जैसी पहलों के साथ, हमारा राज्य सुव्यवस्थित निवेश प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करता है। भारत के पूर्वी तट पर इसका रणनीतिक स्थान, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक बाजारों तक पहुंच ने ओडिशा को औद्योगिक विकास का केंद्र बनाया है। ओडिशा का कुशल कार्यबल और मजबूत शासन निवेशकों को एक उत्साहपूर्ण इकोसिस्टम में शामिल होने और उत्कर्ष ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है। उद्योग मंत्री श्री संपद चंद्र स्वैन ने ओडिशा के रणनीतिक लाभों पर जोर दिया, ओडिशा अपनी समृद्ध विरासत और भारत के पूर्वी तट पर रणनीतिक स्थान के साथ एक आधुनिक औद्योगिक केंद्र बनने के लिए तैयार है। माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और पूर्वोदय योजना के साथ कदम उठाते हुए, ओडिशा भारत के विकास का केंद्र बन रहा है। गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, फूड प्रोसेसिंग पार्क और लॉजिस्टिक्स हब जैसी पहलों के माध्यम से राज्य में एक सहज कारोबारी माहौल बना हुआ है। ओडिशा उद्योगों को अपने मजबूत बुनियादी ढांचे, कुशल कार्यबल और सहायक सरकारी नीतियों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करता है। भुवनेश्वर में आगामी उत्कर्ष ओडिशा - मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 साझेदारी के अवसर तलाशने और ओडिशा की औद्योगिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। मुंबई रोड शो के सफल समापन के साथ, ओडिशा ने एक ऐतिहासिक निवेश शिखर सम्मेलन के लिए एक मजबूत नींव रखी है। इसमें 500 से अधिक उपस्थित लोगों में उद्योग जगत के दिग्गज नेता भी शामिल थे। मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 में शीर्ष वैश्विक व्यवसायों को आकर्षित करने और प्रमुख क्षेत्रों में प्रमुख निवेश सुरक्षित करने का वचन दिया गया है, जो ओडिशा की एक प्रमुख औद्योगिक और नवाचार केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा को मजबूत करेगा।

शिवसेना यूबीटी और राकांपा के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत खत्म : संजय राउत

मुंबई । शिवसेना (बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत पूरी हो गई है, क्योंकि दोनों ही दल मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं। उनकी टिप्पणी जाहिर तौर पर महा विकास आघाडी(एमवीए) के तीसरे साझेदार कांग्रेस पर लक्षित है, एक दिन पहले उन्होंने गठबंधन में सीट बंटवारे की बातचीत में देरी पर निराशा व्यक्त की थी और कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेताओं पर निर्णय लेने में असमर्थ होने का आरोप लगाया था।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान राउत ने कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय राजनीति क्षेत्रीय दलों द्वारा संचालित हो रही है और उनकी पार्टी का यह मानना है कि क्षेत्रीय पार्टियों को उनके राज्यों में तवज्जो मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) जैसी क्षेत्रीय पार्टियों की मदद से देश के प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया में क्षेत्रीय दलों की संख्या अधिक है। राउत ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से बात की और दोनों नेताओं के बीच बातचीत अच्छी रही।

उन्होंने कहा, हमने (शिवसेना यूबीटी ने) शुक्रवार को पूरे दिन राकांपा (शरदचंद्र पवार) के साथ चर्चा की। प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल और हमने बातचीत की। हमारे बीच के ज्यादातर मुद्दे सुलझ रहे हैं। अंत में आपको मुद्दे को सुलझाने के लिए एक मानसिकता तथा इच्छाशक्ति की जरूरत होती है और हम दोनों में वह है। उन्होंने कहा, शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। शरद पवार और उद्धव ठाकरे व्यक्तिगत रूप से इस पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि हमारा आलाकमान मुंबई में हैं।

लाड़ली बहिण योजना कभी बंद नही होगी: श्रीकांत शिंदे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महिलाओं को अत्याधिक शक्तिशाली बनाने के लिए लाड़ली बहिण योजना को शुरू किया गया है। और विरोधी कितनी भी कोशिश करें परंतु यह कभी बंद नही होने वाली है। उक्त संबोधन संसदीय दल के प्रमुख सांसद श्रीकांत शिंदे कालीना 175 विधानसभा में शुक्रवार शाम ब्यक्त कर रहे थे। शिंदे ने महिलाओं के उमड़े हुये महासागर की तारीफ करते हुए कहा कि आयोजक और शिवसेना उपनेता कमलेश राय बधाई के पात्र है। मैं राय को चौक सभा संवाद के लिए कहा था। परंतु आने के बाद विशाल सभा देखकर हर्षित हूँ। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा लड़की पैदा होने के साथ ही उसके खाते में सरकार द्वारा 5000 रुपया जमा करा दिया जाता है जो 18 वर्ष पूर्ण होने पर एक लाख हो जाता है। हमारी सरकार विकास के मुद्दे पर झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना, सड़क,पानी व तमाम सुविधाओं को बिना भेदभाव प्रदान कर रही है। और युवकों को मुफ्त में उच्च शिक्षा प्रदान करने का पूरा खर्च भी उठा रही है। साथ ही साथ लाडला भाई योजना व बुजुर्गों के लिए आर्थिक मदत बड़े पैमाने पर दे रही है। इसी बीच बारिश की भी शुरूआत हो गई उसके बाद भी हजारों की संख्या में मौजूद लोग अपने स्थान पर भीगते हुये जमें रहे। शिंदे ने तब कहा कि आप सब एकनाथ शिंदे साहब के सच्चे शुभचिंतक हो मैं दिल से धन्यवाद देता हूँ। आप की संपूर्ण समस्या को दूर करना हमारी प्रथम जिम्मेदारी है।अंत मे कार्यक्रम के आयोजक कमलेश राय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फिर से एकनाथ शिंदे जी भाजपा के सहयोग से पुनः मुख्यमंत्री बनेंगे। और 1947 के बाद देश के शिंदे साहब पहले मुख्यमंत्री है जिन्होंने महिलाओं के साथ साथ आम जनता के लिए यादगार काम कर रहे है। इस मौके पर सांसद नरेश म्हस्के, मुंबई सचिव सिद्धेश कदम, विधायक मंगेश कुंडालकर, पूर्व विधायक कृष्णा हेगड़े, राहुल कनाल, शालिनी सुर्वे , कालीना विधानसभा प्रमुख अश्विनी संदीप भोसले, विधानसभा समन्यवक नीलेश म्हस्के दसरथ सकपाल व कई शाखा प्रमुख नगरसेवक , नागरसेविकाओं और बड़ी तादात में शिवसेना के महिला पुरुष शिवसैनिक मौजूद थे।

कमलेश राय के कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

मीरा भायंदर काशी गांव पुलिस थाना के P.I राहुल कुमार पाटिल को जन्मदिन की बधाई वो शुभकामनाएं देते हुए (उत्तरशक्ति) हिंदी दैनिक के पत्रकार तारकेश्वर पांडे छायाचित्र।

पांच दिवसीय नागरी संरक्षण स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र सरकार गृह विभाग (विशेष) के पालघर जिला नागरी संरक्षण दल की ओर से नागरिकों को नागरी संरक्षण स्वयंसेवकों के तौर पर तैयार करने हेतु आयोजित पांच दिवसीय मेगा प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 को प्रशिक्षणार्थियों के लिखित, मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा के सफल आयोजन के पश्चात मान्यवरों द्वारा नागरी संरक्षण विषयक उदबोधन के साथ संपन्न हो गया।

बतादें कि महाराष्ट्र सरकार गृह विभाग (विशेष) के पालघर जिला के नागरी संरक्षण दल द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय मेगा प्रशिक्षण शिविर के दौरान राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सहायक उप नियंत्रक के.आर. कुरकुटे, विभागीय क्षेत्ररक्षक पालघर(वाडा) नीलेश वझे, विभागीय क्षेत्ररक्षक दहानू नरेश म्हस्के व प्रशिक्षक नरेंद्र सोलंकी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को उत्कृष्ट तरीके से लिखित, मौखिक एवं प्रायोगिक तौर पर प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पालघर जिला आपत्ति व्यवस्थापन अधिकारी विवेकानंद कदम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नागरी संरक्षण एवं आपत्ति व्यवस्थापन के विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया। वहीं सहायक उप नियंत्रक के.आर. कुरकुटे ने प्रथमोपचार, सुरक्षा व अग्निशमन सेवा से संबंधित विशेष जानकारीयों को साझा किया। इस मौके प्रशिक्षणार्थियों में बशीर सोलंकी, धनाश्री जेना, शांतनु धर्माधिकारी, आशा कुम्भार, महेंद्र पाटील, प्रिया पाटील तथा नागरी संरक्षण स्वयंसेवक शैलेंद्र मिश्रा ने अपने आपातकालीन अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि सरावली ग्राम पंचायत सरपंच आनंद धोडी, विभागीय क्षेत्ररक्षक पालघर(वाडा) नीलेश वझे, विभागीय क्षेत्ररक्षक दहानू नरेश म्हस्के, सरावली ग्राम पंचायत सदस्या अंबिका घुडे व संगीता पाटील, समाजसेवी पद्माकर महामुनि, नागरी संरक्षण विभाग के कर्मचारी स्वप्निल शिंदे व अनिकेत धोडी, आपत्ति व्यपथापन विभाग के कर्मचारी विक्रांत दांडेकर, वरिष्ठ स्वयंसेवक हेमंत जाधव व तृप्ति वझे, पत्रकार सिद्धेश जाधव व अजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम का सूत्र संचालन वित्तीय सलाहकार उज्वला कोंकणे ने किया तथा प्रशिक्षण शिविर की अयोजिका सुवर्णा महामुनि ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित मान्यवरों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने सच्ची निष्ठा व ईमानदारी के कार्य करने को सपथ ली तथा सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

कमलादेवी महाविद्यालय को प्रथम स्थान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा 19 अक्टूबर को कमलादेवी महाविद्यालय में जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक जीवन विचारे और उल्हासनगर क्षेत्र समन्वयक नीरज मिश्रा के साथ-साथ कमलादेवी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सिम्मी सिंह, रजिस्ट्रार सचिन चौधरी, एनएसएस विभाग प्रमुख श्रुति कदम और महादेव घाटोले, आईक्यूएसी समन्वयक अश्विनी राणे सहित अन्य इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक मौजूद थे । कार्यक्रम का आयोजन कमलादेवी कॉलेज एनएसएस यूनिट द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में जज के तौर पर टेक मराठी चैनल की पत्रकार श्रद्धा थोम्ब्रे मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में ठाणे जिले के कई कॉलेजों ने भाग लिया, एसएसटी कॉलेज, मुथा कॉलेज, वेदांत कॉलेज, अचिवास कॉलेज आदि। इसमें गणमान्य अतिथियों द्वारा छात्रों को बहुमूल्य योगदान एवं मार्गदर्शन दिया गया। जिस प्रतियोगिता में प्रतियोगिता के 2 नंबर निकाले गये उसमें प्रथम स्थान कमलादेवी कॉलेज तथा दूसरा स्थान अचीवर्स कॉलेज ने प्राप्त किया तथा सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिये गये।

गृहनिर्माण प्रकल्प में घोटाला करने के आरोप में आर.सी.एफ पुलिस थाने में मामला दर्ज

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर वाशिनाका इलाके में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट में झुग्गीवासियों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में आरसीएफ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 420,465,467,468,471, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।. फरियादी संदीप त्रिलोकीनाथ शुक्ला हैं और उन्होंने बताया कि निवासियों के साथ यह धोखाधड़ी फरवरी 2020 से मार्च 2021 के बीच हुई है। बता दें कि चेंबूर वाशी नाका में ओम गणेश नगर, एस.आर.ए. सोसायटी के मुख्य प्रमोटर राजेश भास्कर केदारे और सोसायटी के अन्य अन्य झोपड़ी धारकों के किराया वृद्धि को रोकने के लिए 23 अप्रैल 2017 को सोसायटी की आम बैठक होने का बहाना बनाकर आमसभा के रजिस्टर में ओम गणेश नगर, एस.आर.ए उसकी और अन्य झुग्गी धारकों की बनावटी सही की मदद से, उसने आम बैठक के सभी मिनट स्लम पुनर्वास प्राधिकरण को सौंप दिए। इस मामले में इस सोसायटी के पदाधिकारी और डेवलपर्स मेसर्स रेडियस एंड डिजर्व बिल्डर्स एल.एल.पी. उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और सहायक पुलिस निरीक्षक रवींद्र पाटिल जांच अधिकारी के रूप में मामले की जांच कर रहे हैं।

सदस्यों के साथ-साथ प्रोजेक्ट डेवलपर, मेसर्स रेडियस और डिजर्व बिल्डर्स एलएलपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस सोसायटी के पदाधिकारी और डेवलपर मेसर्स रेडियस और डिजर्व बिल्डर्स एलएलपी हैं। फरियादी की मृत मां मालतीदेवी त्रिलोकीनाथ शुक्ला और

आरपीआई अंबेडकर के जिला अध्यक्ष बने संभाजी चिकटे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति) तारकेश्वर पांडेय। मीरा भायंदर शहर, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक निकालजे के आदेशानुसार संभाजी चिकटे को मीरा भायंदर शहर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। ठाणे जिले का मीरा भायंदर शहर बहुत तेजी से विकसित हुआ है, और इस शहर में सरकारी योजनाएं, यूएलसी घोटाला, के साथ-साथ कई ऐसी योजनाएं के अंतर्गत बड़ी पैमाने पर घोटाला हुआ है। इन सभी बिंदुओं पर नजर डालते हुए,राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक निकालजे, प्रदेश अध्यक्ष सुनीता ताई चव्हाण, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, बालासाहेब पवार, और प्रदेश सचिव रमेश भोईर ने कहा कि पूर्व जिला अध्यक्ष, जलालुद्दीन मंसूरी ने अन्य सामाजिक विकास निधि, सड़क, सीवरेज और घोटालों की पृष्ठभूमि में अपनी आवाज नहीं उठाई है. यह सब देखते हुए निरीक्षण में जलालुद्दीन मंसूरी को पदमुक्त कर दिया गया, और नए भायंदर शहर जिला अध्यक्ष संभाजी चिकटे को नियुक्त किया गया है, संभाजी चिकटे पिछले 20 वर्षों से नीले झंडे के नीचे समाज सेवा और राजनीतिक दलों के पद पदाधिकारी के रूप में काम कर चुके हैं। उनकी पहचान एक कर्मठ निष्ठावान समाजसेवी जो समाज के लिए निरंतर आवाज उठाते रहते हैं ऐसे जुझारू कार्यकर्ता के रूप में पहचाना जाता है चिकटे को।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक निकालजे के आदेशानुसार संभाजी चिकटे को मीरा भायंदर शहर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह कार्यक्रम चेंबूर के लक्ष्मी बंगले में संपन्न हुआ। जिसमें मीरा भायंदर शहर के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

मीरा भायंदर शहर के अंबेडकर वादी विचारधारा वाले लोगों का मानना है कि मीरा भायंदर महानगर पालिका अधिकारी वर्ग के उपर दबाव रखा जाएगा।

उन्होंने राय व्यक्त की कि वे सभी डेवलपर्स, ठेकेदारों के काले धंधों को उखाड़ फेंकेंगे, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, परिवहन सेवाओं में कर्मचारियों के संविदा ठेकेदार पदों को रद्द करेंगे, और कर्मचारियों को कायम आस्थापना बनाए रखने के लिए नगर निगम को प्रस्ताव देंगे। और तहसीलदार, मंडल अधिकारी, तलाटी ने गरीब लोगों की जमीनों को एक बिल्डर के गले में डाल दिया है, तो वो जमीन भी सविधानिक द्वारा उन्हें वापस सौंप दिया जाएगा, अब नहीं चलेगा मनमानी। नवनियुक्त मीरा भायंदर शहर जिला अध्यक्ष संभाजी चिकटे ने अपना विचार व्यक्त किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

शाहगंज कोतवाली में आरोपी ने लगायी फांसी, शौचालय में लटकता मिला शव

पुलिस महकमे में हड़कंप, कोतवाली परिसर के अंदर सुरक्षा पर उठे सवाल

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। टप्पेजी के आरोप में शाहगंज कोतवाली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए एक आरोपी की थाने के ही शौचालय में फांसी से लटकता शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। थाने में आरोपी की मौत की खबर मिलते ही डीएम डॉ.दिनेश चंद्र, एसपी डॉ.अजयपाल शर्मा मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

एसपी डॉ.अजयपाल शर्मा के अनुसार शुक्रवार को शाहगंज रोडवेज के पास जमीर अहमद नामक व्यक्ति के 35 हजार रुपये किसी उच्चके ने गायब कर दिया था। पीड़ित द्वारा पहचान करने के मटरू बिंद उम्र 56 वर्ष निवासी बड़ौना को स्थानीय जनता ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। सुबह उसने थाना परिसर के शौचालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा ने प्रेस वार्ता में बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि जब मटरू को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो उसे अकेले क्यों छोड़ा, दूसरा यह कि आत्म हत्या के लिए शौचालय में रस्सी अथवा फंदा कहां से आया।तीसरा यह कि वह शौचालय में अकेले क्यों और कैसे गया। इन सभी बिन्दुओं की उच्चस्तरीय जांच होने पर सच सामने आ सकेगा। जो भी हो इस घटना ने एक बार फिर पुलिस विभाग को सवालो के कटघरे में खड़ा कर दिया है।

मिशन शक्ति फेज–5 के अंतर्गत बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम मिशन शक्ति फेज- 5 के अन्तर्गत बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम की संचालिका डॉ प्रतिभा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर-अर्थशास्त्र ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए मुख्यमंत्री के इस महत्वाकांक्षी योजना के महत्व को बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.अलकेश्वरी सिंह ने छात्राओं को शासन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम का विस्तृत परिचय देते हुए शासन द्वारा महिलाओं हेतु संचालित अनेक कार्यक्रमों के विषय में बताया। महाविद्यालय के पूर्व मुख्य अनुशास्ता डॉ.जगत नारायण सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर-राजनीतिशास्त्र ने महिलाओं हेतु शासन द्वारा जारी किए गए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर के बारे में परिचय दिया। महाविद्यालय के

वर्तमान मुख्य अनुशास्ता डॉ.अंशुमान सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी, ने वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं की सुरक्षा संबंधी अपने विचार रखें। महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ संजय नारायण सिंह द्वारा भी महिला सुरक्षा पर विचार रखा गया।

महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ बृजेश कुमार मिश्र, एसोसिएट प्रोफेसर-शिक्षाशास्त्र ने शैक्षिक परिदृश्य में महिलाओं की सहभागिता पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। कार्यक्रम में बीए, बीएससी एवं एमए के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य सम्मानित शिक्षकगण डॉ.प्रकाश चंद्र कसेरा, डॉ.सफीउल्लाह अंसारी, डॉ.आशुतोष पांडे, डॉ.अनिल कुमार, डॉ प्रदीप यादव, डॉ.श्रीकृष्ण सिंह, डॉ.हिमांशु कुमार एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी मौजूद थे।

अतुल वेलफेयर ट्रस्ट ने मनाया स्थापना दिवस

अलग-अलग क्षेत्र के कई विभूतिओं को किया गया सम्मानित

रियाजुलहक संवाददाता

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जौनपुर सामाजिक और धार्मिक के साथ मानवता के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली संस्था अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट की स्थापना दिवस का कार्यक्रम नगर के एक सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य बिंदु जौनपुर जिले में हॉकी टीम के पूर्व खिलाड़ी और जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक ध्यानचंद थे जो तीन बार के पूर्व विश्व विजेता और अर्जुन अवार्डी रहे है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अशोक ध्यानचंद, अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ तेज सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर शकुंतला यादव, विशिष्ट अतिथि डॉ.अंजू कनौजिया, अतिथि डॉ.सुभाष सिंह, अतिथि महंत चौकिया धाम विनय त्रिपाठी, अतिथि यातायात प्रभारी जीडी शुक्ला के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। पिहू खरे के द्वारा गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।सभी ट्रस्ट परिवार के सदस्यों द्वारा बैज लगा कर और बुके देकर

सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।तत्पश्चात मुख्य अतिथि अशोक ध्यानचंद ने बताया कि किस प्रकार से उनको जौनपुर में प्रथम आगमन का सौभाग्य मिला।

मुख्य अतिथि ने अपने पिता और चाचा के उपलब्धियो को बताया। हाकी टीम के पुराने और विजयी पलो को लोगों के बीच मे साँझा किया।उन्होंने कहा कि इतिहास को हमेशा आगे और अच्छी तरीके से पेश किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि आज लोगो का हाकी के प्रति वह रुझान नहीं है जो पहले था, अंग्रेजो के गुलामी के समय से हाकी का खेल खेला जा रहा है। जौनपुर में आगमन पर लोगो की उत्सुकता और सेल्फी देखकर यहा के लोगों का प्यार उत्साह देखकर मन खुश हो गया और पुनः जौनपुर आने की कोशिश करेंगे।उन्होंने उर्वशी सिंह के द्वारा समाज में उत्कृष्ट कार्य के साथ सभी आए हुए वर्गों को जोड़कर कार्य करने के जज्बे और साहस की भूरि भूरि प्रशंसा की। समाज सेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि समाज में जिस तरह से सभी वर्गों के साथ सभी संस्थाओं के साथ और सभी लोगों के साथ मिलकर यह संस्था की अध्यक्ष उर्वशी सिंह कार्य कर रही हैं वह काबिले तारीफ हैं, अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट एक ऐसा ट्रस्ट है जो ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती उर्वशी सिंह है जिनका पूरा परिवार मिलकर इस ट्रस्ट को चलता। है जौनपुर में जो भी लोग सोसाइटी के लिए अच्छा कार्य करते हैं चाहे वह डॉक्टर हो, समाजसेवी हो, पत्रकार हो, शिक्षक हो या फिर पर्यावरण से जुड़े लोग हो ऐसे सभी लोगों का सम्मान करने का कार्य अतुल वेलफेयर ट्रस्ट परिवार हमेशा करता रहा है।

जिला कारागार 6 महिला बंदियों को वितरित किया गया करवा चौथ के लिए पूजन सामग्री

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिला कारागार अधीक्षक ने अवगत कराया है कि अखिल महिला सशक्तिकरण ट्रस्ट भारत,शाखा-जौनपुर की महिला सदस्यागण श्रीमती ललिता मिश्रा, श्रीमती सुनीता शुक्ला एवं श्रीमती संगीता मौर्या कारागार पर आयी। उनके द्वारा महिला बैरक में निरूद्ध महिला बन्दियों से बातचीत की गयी। बातचीत के दौरान 06 महिला बन्दियों द्वारा करवा चौथ का व्रत रखने की बात बतायी गयी। संस्था की महिला सदस्यों द्वारा व्रत रखने वाली महिला बन्दियों को पूजन, सुहाग की सामग्री, फल, मिष्ठान एवं पूजा की पुस्तक दी गयी। साथ ही करवा चौथ के व्रत के महत्व को बताया गया। जेल अधीक्षक डा० विनय कुमार एवं महिला बन्दियों द्वारा संस्था से आयी महिला सदस्यागणों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक डा०विनय कुमार, डा०अमरनाथ पाण्डेय, श्रीमती रेनू जायसवाल महिला शिक्षिका, उप कारापाल नन्द किशोर, उप कारापाल श्रीमती सुषमा शुक्ला एवं महिला हेड जेल वार्डर श्रीमती चिन्ता देवी व अन्य महिला जेल वार्डर उपस्थित थी।

बदमाशों ने बरामदे में सो रहे युवक पर चाकू से किये कई वार, हालत गंभीर

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया बाजार में बीती देर रात में एक युवक के ऊपर अज्ञात बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल में जाया गया जहां उसकी हालत गंभीर देखते ही वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया निवासी विष्णु चौहान पुत्र अनिरुद्ध चौहान बीती देर रात में खाना खाकर अपने बरामदे में सोया हुआ था। देर रात में लगभग चार की संख्या में पहुचे अज्ञात बदमाशों ने उसके ऊपर चाकू से कई वार करते हुए हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल भिजवाया गया जहां हालत गंभीर देखते हुए उसे वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। सीओ सिटी देवेश सिंह ने बताया कि मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं प्राप्त हुई है। लेकिन फिर भी पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच पड़ताल कर रही है। आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में मिशन शक्ति पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति योजनान्तर्गत शनिवार को सल्तनत बहादुर पी.जी. कॉलेज बदलापुर,जौनपुर में पोस्टर

प्रतियोगिता/स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मिशन शक्ति संयोजक डॉ.पूनम श्रीवास्तव सहायक आचार्य(हिंदी विभाग) ने बताया कि महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण से संबंधित प्राचीन महान नारियों तथा नारियों की सामाजिक स्थिति को अपनी चित्र कला के माध्यम से उत्साह पूर्ण जागृति प्रदान करने का उत्तम प्रयास किया। छात्र /छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के स्लोगन से नारी शक्ति का उद्बोधन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह,राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ.कर्मचन्द यादव, डॉ.रेखा मिश्रा,डॉ.किरन यादव,डॉ.शशिबाला सिंह सहित छात्र/छात्राओं की उपस्थिति रही।

दिव्यांग बच्चों के अभिभावक परामर्श गोष्ठी सम्पन्न

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बीआरसी महराजगंज में समग्र शिक्षा अभियान के तहत खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र पटेल की के देख रेख में अभिभावक परामर्श गोष्ठी अयोजन किया गया।जिसमें 52 दिव्यांग बच्चों के माता पिता उपस्थित हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी ने अभिभावक से वार्ता की समस्याओ को सुना विशेष शिक्षक प्रमोद कुमार माली ने सरकार से मिल रही सुबिधाओ के विषय में जानकारी देते हुए बताया। कि जिन दिव्यांग बच्चों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बन गया उनको सरकार की तरफ से बालिकाओं को 2 हजार रुपया और बालक को 6 हजार रुपया मिल रहा है।जिससे दिव्यांग बच्चे अपने शिक्षण कार्य को पूर्ण कर सके और उनको उपकरण दिया जा सके विशेष शिक्षक भानू प्रकाश सिंह, प्रियंक द्विवेदी, ने शिक्षण सम्बन्धित जानकारी दी मौके पर अवनीश उपाध्याय, सरफराज, पंकज चौहान, आलोक सिंह शोभनाथ नरेन्द्र पटेल दिव्यांग बच्चे और उनके अभिभावक उपस्थित हुए।

डीएम की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में जिला तकनीकी समन्वय समिति की बैठक संपन्न

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में जिला तकनीकी समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कोई विकास खण्ड अतिदोहित श्रेणी में नहीं है। मात्र 02 विकास खण्ड कमशः बदलापुर एवं महराजगंज ही क्रिटिकल श्रेणी में है तथा 07 विकास खण्ड कमशः केराकत, सिरकोनी, रामनगर, मुफ्तीगंज, करंजाकला, सिकरारा एवं धमार्पुर सेमीक्रिटिकल एवं शेष विकास खण्ड सुरक्षित श्रेणी में है। क्रिटिकल एवं सेमी क्रिटिकल विकास खण्डों को सुरक्षित श्रेणी में लाने हेतु विभिन्न विभागों द्वारा आगामी वर्षों में कराये जाने वाले वर्षा जल संरक्षण एवं संचयन के कार्यों की विस्तृत चर्चा की गयी।

अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई द्वारा अन्य समस्त विभागों से उनके द्वारा आगामी वर्षों में वर्षा जल संरक्षण एवं संचयन के अन्तर्गत जो कार्य कराये जाने हैं उससे सम्बन्धित कार्ययोजना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई द्वारा प्रस्तावित कार्यों यथा एनिकट, रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, चेकडैम निर्माण एवं तालाबों की सूची बैठक में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत की गयी। जिसके कम मे जिलाधिकारी द्वारा कार्यस्थलों के फोटोग्राफ्स मय अक्षांश/देशान्तर सहित कार्ययोजना प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम,अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई, सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई, विकास खण्ड में कार्यरत लघु सिंचाई के अवर अभियन्ता, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग, भूमि संरक्षण अधिकारी, उद्यान विभाग एवं खण्ड विकास अधिकारी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मड़ियाहूं तहसील में हुआ सम्पूर्ण समाधान का आयोजन

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तहसील मड़ियाहूं के सभागार में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा जनसामान्य की शिकायतों को सुनते हुए मौके पर ही उनकी समस्या का निस्तारण कराया गया। जिलाधिकारी के समक्ष कुल 74 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 12 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया।जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में समय से उपस्थित होकर जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा0लक्ष्मी सिंह, उप जिलाधिकारी कुणाल गौरव, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। इसी क्रम में जनपद के समस्त तहसीलों में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस का भी आयोजन किया गया और जनसामान्य की शिकायतों को सुना गया और सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिये गये।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रियेश गुप्ता रुद्र संवाददाता

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। चंदवक क्षेत्र के रामगढ़ गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई। रिश्तेदारों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पायेगी। चंदवक थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव निवासी 35 वर्षीय संतोष कुमार यादव रोजाना की तरह पड़ोसी के घर से खाना खाकर सोने जा रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन निजी चिकित्सालय ले गये जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख वाराणसी रेफर कर दिया। परिजन वाराणसी ले जा थे कि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिजन शव घर पर लेकर पहुंचे ही थे कि सूचना पर पहुंचे मृतक के मामा व उनकी बहन भाई ने अनहोनी की आशंका जताते हुए चंदवक पुलिस को सूचना दी। थाना अध्यक्ष बृजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का स्पष्ट हो पाएगा। कुछ माह पहले मृतक की पत्नी का भी देहांत हो गया था। तभी से वह पड़ोसी के यहां खाना खाता था।

काशी के मजदूर मंगल केवट बैठे राजघाट पुल पर, प्रधानमंत्री मोदी से मिलने की जताई इच्छा

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। वाराणसी में मंगल केवट अपने भगवान पीएम नरेंद्र मोदी से मिल कर मां गंगा और राजघाट पुल के स्वच्छता के बारे में बात करना चाहते है मंगल केवट का कहना है कि राजघाट पुल पर ओवरलोड बालू-गिट्टी की गाड़ियां जाती है ब्रेकर क्रास करते समय बालू और गिट्टी गिरने से लोगों के आंखों में पड़ता है जिससे एक्सीडेंट भी हो जाता है मंगल केवट ने जिला प्रशासन से अनुरोध किया कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने दिया जाए ताकि मैं उनको मां गंगा और राजघाट पुल की समस्या बता सकें।

मासूम बच्चों को मार कर हाथ और मुंह तोड़ने वाले पिता को दस माह का कारावास

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ के बघाड़ी कला गांव में मासूम बेटे और बेटी को निर्दयतापूर्वक मारपीट कर हाथ, सर व जबड़ा तोड़ने वाले पिता बृजभूषण सिंह उर्फ भीम को जिला जज वाणी रंजन अग्रवाल ने 10 माह कारावास की सजा सुनाया। आरोपी घटना के बाद से जेल में था। कोर्ट ने जेल में बिताई गई अवधि सजा की अवधि में समायोजित करने का आदेश दिया। जयनाथ सिंह निवासी बघाड़ी कला ने सिंगरामऊ थाने में अपने बेटे भीम के खिलाफ गैर इरादतन हत्या व अन्य धाराओं में 10 दिसंबर 2023 को एफआईआर दर्ज कराया कि 9 दिसंबर 2023 को 7:00 बजे शाम उसका पुत्र बृजभूषण उर्फ भीम बाजार से घूम कर आया तो अनायास ही अपने बेटे राजवीर और बेटी राधिका को गाली गलौज देते हुए मारा पीटा जिससे राजवीर के सर की हड्डी व उंगली टूट गई तथा बेटी राधिका का जबड़ा टूट गया। दोनों बच्चों का मेडिकल व एक्स-रे हुआ। हड्डियां टूटी पाई गई। घटना के बाद आरोपी पिता गिरफ्तार हुआ और जेल भेजा गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश पांडेय व राजनाथ चौहान ने गवाहों को परीक्षित कराया। कोर्ट में मासूम बच्चे पक्षद्रोही हो गए और अपने पिता को बचाते हुए कहा कि सीढ़ी से गिरने से चोटें आईं।बच्चों के दादा भी कोर्ट में गवाही से मुकर गए। कोर्ट ने मेडिकल व अन्य साक्ष्यों के आधार पर पिता को दोषी पाते हुए सजा सुनाया।

दशाश्वमेध घाट पर डूब रहे पर्यटक की जल पुलिस के जवानों ने बचाई जान

वाराणसी (उत्तरशक्ति) छत्तीसगढ़ के दुर्ग जनपद के रहने वाले अजय कुमार राय आज सुबह वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा जी मे स्नान कर रहे थे अचानक गहरे पानी मे चले गए और डूबने लगे। शोर गुल सुनकर मौके पर मौजूद जल पुलिस के जवान रवि मौर्य और कुमार गौरव ने पानी मे छलांग लगा दी।और डूबे रहे अजय राय को सकुशल बाहर निकाल लिया घाट पर सभी लोगों ने रवि मौर्य व अन्य साथी की प्राशंसा की।

अवैध तरीके से नगर में हर दुकानों बिक रहे हैं पटाखे, प्रशासन मौन

बिना लाइसेंस के दुकानों पर हो रही है पटाखों की बिक्री

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हाल ही में लगाए गए पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद, कई रिहायशी इलाकों में चोरी-छिपे पटाखों की बिक्री हो रही है। जिसमें स्थानीय कस्बा खेतासराय प्रमुख रूप से है। यहाँ किराना स्टोर संचालक व फुटपाथ पर दुकान लगाकर धड़ल्ले से इसकी ब्रिकी कर रहे है। प्रशासन द्वारा सख्त नियमों और चेतावनियों के बावजूद भी कार्यवाई न होने से खुलेआम पटाखे की बिक्री की जा रही है। जिससे स्थानीय निवासियों में किसी अनहोनी का भय है! जानकारी के मुताबिक स्थानीय कस्बा के विभिन्न मार्गों पर किराने के दुकानदार इस मामले में अव्वल दर्जे के है। जो प्रतिबंधित पटाखे बेचने में कोताही नहीं बरत रहे है और प्रतिबंध पटाखें बेचने से बाज नहीं आ रहे है। जिससे किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। इतना ही जैसे जैसे दीवाली का त्योहार नजदीक आ रहा है वैसे वैसे ये दुकानदार दुकान के बाहर मेज पर सजा कर पटाखे बेचना चालू कर देते है? प्रशासन द्वारा दी गई सख्त हिदायतों के बावजूद इन दुकानदारों पर कोई खास असर नहीं दिख रहा है। पटाखे बेचने के लिए जगह है चिन्हित* दशहरा बीतते ही पटाखें की बिक्री तेजी से शुरू हो जाता है। कस्बा और रिहाशयी इलाको में चोरी-छिपे बेचना चालू कर देते है। लेकिन इन सब को धता

बताते हुए कस्बा के दुकानदार कस्बा में ही जमकर प्रतिबंध पटाखें बेचने में मशगूल है। जबकि पटाखें बेचने के सोंधी स्थित दशमी मैदान चिन्हित है। जहाँ पटाखें बेचने वाले रजिस्टर्ड दुकानदार सिर्फ दीपावली के दिन बेचते है। लेकिन इसके पहले कस्बा में ही बिक्री करते है। इस तरह से बेचने वाले दुकानदार अपने दुकान के आगे मेज पर मोमबत्ती, लाइट इत्यादि बेचने के नाम पर दुकान सजा देते है और फिर उसके आड़ में पटाखें बेचते है।क्या बोलें नगर उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा ने कहा कि प्रतिबन्ध के बाद भी जो दुकानदार पटाखें बेच रहे है जिम्मेदार उस पर कार्यवाही करें।कार्यवाही न होने से दुकानदार पटाखें बेच रहे है। घनी आबादी और भींड-भाड़ वाले इलाके में पटाखा बेचना सरासर गलत है। इस तरह से बिक्री करने वाले दुकानदारों के पास सेफ्टी के कोई बंदोबस्त भी नहीं रहता है। जिम्मेदार इस पर कठोर कार्यवाही करें।

पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का मुख्य कारण प्रदूषण और आग जैसी दुर्घटनाओं से बचाव था, लेकिन यहां प्रशासन की कोई सख्ती नजर नहीं आ रही। प्रशासन लाख दावा करें कि वे इस मामले पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखती है। स्थानीय पुलिस की मिलीभगत के आरोप भी सामने आ रहे हैं। जिसके कारण अवैध पटाखों की बिक्री को बढ़ावा मिल रहा है। प्रशासन को तत्काल प्रभाव से सख्त कदम उठाने की जरूरत है ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके और लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखा जा सके।

डीएम की अध्यक्षता में पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान की जिला समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के अंतर्गत जनपद स्तरीय परियोजनाओं के नियोजन एवं क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय जिला समन्वय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिसमें जिलाधिकारी द्वारा समस्त विभागाध्यक्षों को 100 करोड़ से अधिक परियोजना लागत वाले प्रोजेक्ट की सूचना तत्काल उपायुक्त उद्योग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए एवं उपायुक्त उद्योग को सूचना प्राप्त कर पोर्टल पर फीड करने के निर्देश दिए गए।जिला समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे, स्वास्थ्य विभाग, कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज, जल निगम तथा पूर्वांचल विश्वविद्यालय में संचालित की जा रही 100 करोड़ या उससे ऊपर के परियोजनाओं को उक्त पोर्टल पर दर्ज कराने हेतु सदस्य सचिव उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त उक्त विभागों से संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारियों को समिति में नामित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी को जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय से 100 करोड़ या उससे ऊपर की परियोजनाओं की सूची प्राप्त करने के निर्देश दिए गए तथा बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी जौनपुर, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी एवं नगर पंचायत तथा नगर पालिकाओं से अधिशासी अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

ज्ञानवापी : 25 को तय हो जायेगा वजूखाने में एएसआई होगी या नहीं

1991 से चल रहे इस केस में मुस्लिम फरीक की तरफ से दलीलें पूरी हो गई हैं

सुरेश गांधी

वाराणसी। ज्ञानवापी के 1991 केस मामले में मुस्लिम फरीक की तरफ से दलीलें पूरी हो गई हैं. यह केस लॉर्ड विशेश्वर बनाम अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी का है, जो 1991 से चल रहा है. 33 साल चल रहे केस में दोनों पक्षों ने अपनी बात रखी थी. हिन्दू फरीक की तरफ से ज्ञानवापी अहाते के भीतर पूजा-पाठ का हक देने और मंदिर निर्माण करने की इजाजत मांगी गई थी। इस मामले में मुस्लिम पक्ष की बहस पूरी हो गई है. अब इस मामले में फैसला 25 अक्टूबर को सुनाया जाएगा. सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक) युगल शंभू की अदालत में सुनवाई हुई। बता दें, 33 साल से लंबित इस केस में अदालत का फैसला आने में अब एक सप्ताह का वक्त बचा है. ज्ञानवापी में नए मंदिर के निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार देने को लेकर 1991 पिटीशन दाखिल किया गया था. इस मामले में मुस्लिम पक्ष के वकील ने जिरह में हिस्सा लिया. वहीं, इस पूरे मामले पर हिंदू पक्ष के वकील विजय शंकर रस्तोगी ने कहा है ज्ञानवापी के मामले में कोर्ट के इस आदेश से पहले वादमित्र के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)से सर्वे कराने के आदेश पर हिंदू पक्ष की तरफ से वकीलों की जिरह पूरी हो चुकी है. इस पर 8 अक्टूबर को ही मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने अपनी दलीलें पेश की थीं. इस मामले को वादमित्र देख रहा है, जबकि इस केस के मुख्य वादी का

इंतकाल हो चुका है. वाद मित्र ने इसमें दावा किया है कि एएसआई का पिछला सर्वे अधूरा है. वाद मित्र ने एएसआई से ज्ञानवापी में खुदाई कराए जाने की मांग की थी. मुस्लिम पक्ष ने वादमित्र की इस मांग का विरोध किया है। इस मामले पर मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने दलील देते हुए कहा था कि जब एएसआई द्वारा यहां सर्वे हो चुका है तो दोबरा सर्वे कराए जाने का कोई न्यायसंगत नहीं है. साथ मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि मस्जिद कैंपस में गड्ढा खोदने से मस्जिद को भारी नुकसान पहुंच सकता है. अब सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक) युगल शंभू की अदालत 25 अक्टूबर को फैसला सुनाएगा. बता दें, हिंदू पक्ष ने सेंट्रल डोम के नीचे शिवलिंग होने का दावा किया था। इसके साथ ही हिंदू पक्ष ने परिसर में बचे शेष स्थल की खुदाई कराकर एएसआई सर्वे कराने की मांग की है।

लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के केस को लेकर हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि वर्ष 1991 से चल रहे जिस वाद को मुस्लिम पक्ष लटकाओ, भटकाओ, अटकाओ की नीति पर चल रहा था। आज वही मुस्लिम पक्ष ज्ञानवापी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर शीघ्र सुनवाई के लिए न्यायालय से निवेदन किया। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ता और वक्फ बोर्ड के अधिवक्ता ने अपनी-अपनी दलील पेश की। साथ में हिंदू पक्ष के द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के कई आख्यानों का भी विवरण देते हुए उसकी कॉपी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई। अब मामले में 25 अक्टूबर को आदेश आने की संभावना है। हिंदू पक्ष इस मामले को लेकर अपना मत प्रस्तुत कर चुका है और ज्ञानवापी के शेष बचे हुए परिसर के एएसआई सर्वे की मांग कर रहा है इसके आलावा अन्य मांगे भी हैं।वाराणसी कोर्ट ने हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी के तहखाने में पूजा का अधिकार दे दिया है. 31 साल से व्यासजी के तहखाने में पूजा नहीं हो रही थी. इस मामले के वादी शैलेंद्र कुमार पाठक व्यास का दावा है कि उनकी कई पीढ़ियों ने तहखाने में पूजा की है और 1993 तक वो अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए तहखाने में स्थित देव प्रतिमाओं की पूजा होती थी। हिंदू पक्ष ने विवादित स्थल को सील करने की मांग की थी. सेशन कोर्ट ने इसे सील करने का आदेश दिया था. इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने केस जिला जज को ट्रांसफर कर इस वाद की पोषणीयता पर नियमित सुनवाई कर फैसला सुनाने का निर्देश दिया था. मुस्लिम पक्ष की ओर से यह दलील दी गई थी कि ये प्रावधान के अनुसार और उपासना स्थल कानून 1991 के परिप्रेक्ष्य में यह वाद पोषणीय नहीं हो सकती है। हालांकि, कोर्ट ने इसे सुनवाई योग्य माना था. मई 2023 में

बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मांगे थे 50-50 खोखा, मुंबई पुलिस का दावा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने बताया है कि मामले में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों ने हत्या के लिए 50 लाख रुपये मांगे थे। लेकिन भुगतान को लेकर असहमति और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता के रसूख को देखते हुए उन्होंने हत्या को अंजाम देने से बाद में मना कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने (हाल में गिरफ्तार पांच आरोपियों ने) पूर्व विधायक सिद्दीकी की हत्या में शामिल लोगों को आवश्यक सामग्री और अन्य प्रकार की मदद दी थी। सिद्दीकी की हत्या मामले में शूटरों को हथियार और रसद सहायता उपलब्ध कराने के आरोप में शुक्रवार को पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या अब नौ हो गई है, जबकि तीन लोग फरार हैं। पुलिस ने बताया कि हाल में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितिन गौतम सप्रे (32), संभाजी किसान पारधी (44), प्रदीप दत्तू थोम्ब्रे (37), चेतन दिलीप पारधी और राम फूलचंद कनौजिया (43) के रूप में की गई है। सप्रे डोंबिवली से हैं जबकि संभाजी किसान पारधी, थोम्ब्रे और चेतन दिलीप पारधी (27) ठाणे जिले के अंबरनाथ से हैं और कनौजिया रायगढ़ के पनवेल का रहने वाला है। एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि सप्रे के नेतृत्व वाले गिरोह ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मध्यस्थ से 50 लाख रुपये की मांग की थी लेकिन सौदे पर असहमति के कारण यह बात नहीं बन पाई।

टोयोटा ग्लैंजा के फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन की घोषणा की

पटना (उत्तरशक्ति)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने त्यौहारी उत्साह को ध्यान में रखते हुए, टोयोटा ग्लैंजा के 'फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन' की शुरूआत की घोषणा की। ग्राहक अब डीलर द्वारा फिट किए गए टोयोटा जेनुइन एक्सेसरी (टीजीए) पैकेज का आनंद ले सकते हैं। इस त्यौहारी अवधि के दौरान ग्लैंजा की बेहतर स्टाइल, प्रदर्शन और आराम के साथ उनके ड्राइविंग अनुभव को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। अपनी उन्नत तकनीक, आकर्षक डिजाइन और उच्च ईंधन दक्षता के लिए 2019 से जानी-पहचानी सीमित संस्करण वाली टोयोटा ग्लैंजा 13 विशेष टीजीए पैकेज से युक्त है जो 20,567 रुपये मूल्य के हैं। वाहन की प्रीमियम खासियतें - क्रोम और ब्लैक बॉडी साइड मोल्डिंग, बैक डोर गार्निश क्रोम और ओआरवीएम गार्निश क्रोम आराम से जानी-पहचानी हैं। अन्य खास बातें में अतिरिक्त आराम के लिए 3डी फ्लोरमैट, डोर वाइजर प्रीमियम और नेक (गर्दन के लिए) कुशन (ब्लैक और सिल्वर रंगों में) शामिल हैं। टोयोटा ग्लैंजा की स्टाइलिश अपील को रियर बम्पर, फेंडर के साथ-साथ रियर रिफ्लेक्टर और वेलकम डोर लैंप पर क्रोम गार्निश के साथ और भी समृद्ध किया गया है, जो इसे एक प्रीमियम टच देता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा, ॰हमारा लक्ष्य टोयोटा ग्लैंजा के 'फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन' की शुरूआत के साथ इस त्यौहारी सीजन के दौरान अपने ग्राहकों के लिए अतिरिक्त उत्साह लाना है। ग्लैंजा को हमेशा से ही इसके डायनैमिक-स्पोर्टी डिजाइन, उन्नत फीचर्स और बेहतरीन प्रदर्शन के मिश्रण के लिए सराहा गया है तथा इस सीमित संस्करण के साथ हम इसके आकर्षण को और बढ़ा रहे हैं।

कामयाबी और जीवन दो अलग अलग बातें हैं और इनमें संतुलन बेहद जरूरी

ये मैं मानती हूं। इस काया के लिए मैंने डेढ़ साल तक कुछ भी ढंग का खाया नहीं था। मेरे करियर की पहली एक्शन फिल्म थी टशन और उसके बाद से मैंने कोई दूसरी एक्शन फिल्म की भी नहीं है। लेकिन, अब जो समय है वह कलाकारों के लिए बेहतरीन समय है।

मेरा मानना है कि इंसान को जीवन में महत्वाकांक्षी होना जरूरी है। मैं भी हूं। लेकिन, इसके लिए मैं खुद को परेशान भी नहीं कर सकती। ऐसी कोई भी उम्मीद जो मुझे मानसिक रूप से परेशान कर सकती है, मुझे पसंद नहीं है। कामयाबी और जीवन दो अलग अलग बातें हैं और इनमें संतुलन बेहद जरूरी है। एक अभिनेता को अब सिर्फ अभिनय पर ध्यान देने की जरूरत है, सिक्स पैक या एट पैक एब्स पर नहीं। बॉबी देओल और रणबीर कपूर ने अपने अभिनय से लोगों के दिल जीते हैं। उनकी कद काठी हृष्ट पुष्ट व्यक्तियों की है लेकिन दोनों की बात जब भी होती है तो उनके अभिनय के लिए होती है। बॉबी जिस मोड़ पर हैं, अपनी मेहनत से हैं। रणबीर ने बतौर अभिनेता खुद को बार बार साबित किया है। मैं मानती हूं कि पति-पत्नी के बीच रिश्ता ऐसा होना चाहिए कि दोनों एक दूसरे से निष्पक्ष सलाह की उम्मीद कर सकें। मानना, न मानना हमारे ऊपर है। सैफ मुझसे तमाम बातों पर मशविरा करते हैं। वह उसे मानते हैं कि नहीं, ये उनकी मर्जी है। जैसे मैंने उनकी सारी फिल्में देखी हैं, वे मेरी सारी फिल्में देखें, मैं इसकी जिद कभी नहीं करती।

करवा चौथ पर इतराया शहर का बाजार

रविवार को करवा चौथ के त्योहार को लेकर शनिवार को बाजारों में खूब रौनक रही। सराफा से लेकर साड़ी बाजार तक। गिफ्टिंग आयटम्स से लेकर बर्तन की दुकानों तक। मेंहदी से लेकर मेकअप व खील बताशों की दुकानों तक पर महिलाओं की खूब भीड़ रही। ज्वेलरी शॉप पर पतियों ने जहां अपनी पत्नियों को गिफ्ट देने के लिए मंगलसूत्र और ब्रेसलेट खरीदे तो वहीं साड़ी की दुकानों पर महिलाओं ने लाल, सुनहरी, मरून जैसे चटख रंगों की साड़ियां खरीदीं। गिफ्टिंग में अपनी पत्नियों को देने के लिए एनालॉग व प्रीमियम रेंज की खूब घड़ियां भी बिकीं। जबकि, मुख्य आकर्षण सोने व चांदी के करवा रहे। सोने का करवा जहां 12 लाख रुपये में बिका तो चांदी का डेढ़ लाख का। इसके अलावा पीतल व मिट्टी के करवा की दुकानों पर भी मध्यम वर्ग की महिलाओं की भीड़ रही। अनुमान के मुताबिक अकेले करवा चौथ पर ही शहर के अलग अलग सेक्टर से 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ। करवा चौथ पर खूब रूप से पूजा में इस्तेमाल होने वाले पात्र करवा की हर किसी ने अपनी हैसियत के हिसाब से खरीदारी की। सोने का करवा 12 लाख तो चांदी के करवा डेढ़ लाख रुपये तक में बिके। चौक सराफा एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अदीश कुमार जैन ने बताया कि पिछली बार शुरू डूबा होने की वजह से इस बार पहली बार करवा पूजने वाली विवाहिताओं ने खूब शौक से चांदी व सोने के करवा खरीदे। शनिवार को सोने का करवा 12 लाख रुपये का बिका है। इसके अलावा आलमबाग के आरके ज्वैलर्स के राजीव गुप्ता ने बताया कि 30 हजार से 1.5 लाख तक की रेंज में चांदी के करवा भी खूब बिके हैं। जबकि, हजरतगंज के बर्तन दुकानदार विकी गुप्ता बताते हैं कि पीतल के 500 से 1500 रुपया तक के करवा भी खूब बिके। करवा चौथ के मौके पर सबसे ज्यादा सराफा बाजार में रौनक रही। सबसे ज्यादा मंगलसूत्र और ब्रेसलेट बिके।

विलेपार्ले में किया गया आचार्य पवन त्रिपाठी का सम्मान

मुंबई। अखिलेश सिंह मित्र मंडल द्वारा विलेपार्ले पूर्व वैष्णवी सभागार में श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किए गए आचार्य पवन त्रिपाठी का भव्य स्वागत किया गया। आयोजक अखिलेश सिंह, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ अध्यक्ष आदित्य दुबे, रवि सिंह द्वारा आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम का शुभारंभ लोकगायक सुरेश शुक्ला के गीतों से किया गया। इस मौके पर विधायक पराग अलवनी, एमएलसी राजहंस सिंह, उत्तर प्रदेश के एमएलसी डॉ रतन पाल सिंह, अनिल त्रिवेदी, मुरजी पटेल, संध्या यादव, जयप्रकाश सिंह, इंद्रसेन उपाध्याय मंच पर उपस्थित थे।

मानव तस्करी के खिलाफ मधेपुरा में वॉक फॉर फ्रीडम का आयोजन

मधेपुरा (उत्तरशक्ति)। मानव तस्करी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज मधेपुरा में वॉक फॉर फ्रीडम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों, सरकारी एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों के 454 से अधिक नागरिकों ने वैश्विक ह्यवॉक फॉर फ्रीडमह्न के मधेपुरा संस्करण में भाग लिया। मौन ह्यवॉक फॉर फ्रीडम के माध्यम से मानव तस्करी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इसी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन भारत के 14 राज्यों में 100 से अधिक स्थानों पर किया गया, जिसमें 30,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम आधुनिक दासता के खिलाफ एक वैश्विक अभियान के तहत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉक्टर कैलाश प्रसाद यादव, प्रधानाचार्य, ठाकुर प्रसाद कॉलेज,

मधेपुरा द्वारा वॉक की शुरूआत की घोषणा से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, मानव तस्करी समाज के लिए एक बहुत बड़े अभिशाप की तरह है। लेकिन एकजुट होकर हम सब इसका खात्मा कर सकते हैं। हमें गर्व है की हम समाज में जागरूकता लाने के लिए वॉक फॉर फ्रीडम जैसे कार्यक्रम का हिस्सा हैं। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेश मिश्रा, मधेपुरा क्रिस्चियन हॉस्पिटल के प्रबंधक निर्देशक डॉ आशीष अब्राहम और कार्यक्रम प्रबंधक जॉनसन भी मौजूद थे। गौरतलब है कि वॉक फॉर फ्रीडम मानव तस्करी को समाप्त करने का एक वैश्विक प्रयास है, जो दुनिया भर में 50 से अधिक देशों और 500 से अधिक स्थानों पर आयोजित किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार भारत में 2022 में प्रतिदिन 7 बच्चों की तस्करी की गई और वर्तमान में विश्व स्तर पर करीब 496 लाख लोग आधुनिक दासता के विभिन्न रूपों में फंसे हुए हैं। वैश्विक स्तर पर इस वॉक की मेजबानीअंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन ए21 द्वारा की जाती है। भारत में इस वॉक का आयोजक मुंबई स्थित एक सामाजिक प्रभाव टीम 'द मूवमेंट इंडिया' है, जो मानव तस्करी को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर सार्वजनिक वकालत पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को मानव तस्करी के संकेतों और संदिग्ध स्थितियों को देखने पर कॉल करने के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबरों के बारे में शिक्षित किया गया और उन्होंने सतर्क नागरिक बनने की शपथ भी ली। मधेपुरा में आयोजित इस वॉक का नेतृत्व मधेपुरा क्रिस्चियन हॉस्पिटल, जस्टिस वेंचर्स इंडिया एवं न्याय नेटवर्क द्वारा किया गया था। जिसमें जिला विधिक प्राधिकरण (डीएलएसए), जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू), महिला एवं बाल विकास निगम (डब्ल्यूसीडीसी), विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी, जिला ओने स्टॉप सेंटर, एकीकृत बाल विकास सेवाएं (आईसीडीसी), आर.आर. ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्कूल, किरण पब्लिक स्कूल, डी.एन.फिजिक्स कोचिंग सेंटर, सामुदायिक एवं समाज सेवी संगठनों तथा हॉस्पिटल के डाक्टरों और नर्सों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने मधेपुरा के ठाकुर प्रसाद कॉलेज से

बजट निकालने के कगार पर पहुंची विक्की विद्या का वो वाला वीडियो

राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दशहरे के त्योहार के अवसर पर इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म को रिलीज हुए आज एक सप्ताह पूरा हो गया है। वहीं, आज गुरुवार के कलेक्शन भी सामने आ चुके हैं, चलिए जानते हैं फिल्म ने आज कितनी कमाई की। बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' की भिड़ंत आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म 'जिगरा' से हुई। यह एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो 1990 के दशक में रेट्रो थीम के साथ सेट की गई है और हमें पुराने दिनों की याद दिलाती है। 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' ने बॉक्स ऑफिस पर 5.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। इसका बजट तकरीबन 30 करोड़ रुपये है। पहले दिन की कमाई के बाद 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' ने रिलीज के दूसरे दिन वीकएंड का फायदा मिला और इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 6.9 करोड़ रुपये की कमाई की, लेकिन रविवार को फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली थी। तीसरे दिन फिल्म ने 6.4 करोड़ रुपये की कमाई की थी। 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' ने चौथे दिन भारी गिरावट के साथ 2.4 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म ने पांचवें दिन 2.1 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म ने छठे दिन 1.9 करोड़ रुपये की कमाई की। सातवें दिन फिल्म ने गिरावट के साथ 1.8 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कुल कलेक्शन 27 करोड़ रुपये हो गया था। बीते दिन 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' भी फिल्म की कमाई में गिरावट आई थी। आठवें दिन फिल्म ने 1.4 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं, आज फिल्म की कमाई में उछाल आया है। शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने नौवें दिन 1.5 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, अब फिल्म का कुल कलेक्शन 29.9 करोड़ रुपये हो चुका है। अब यह फिल्म अपना बजट निकालने के कगार पर पहुंच चुकी है। फिल्म को राज शांडिल्य ने लिखा और निर्देशित किया है और संगीत सचिन और जिगर ने दिया है। यह कॉमेडी-ड्रामा टी-सीरीज फिल्म्स, बालाजी मोशन पिक्चर्स, वकाउ फिल्म्स और कथावचक फिल्म्स द्वारा निर्मित है।

कामयाबी और जीवन दो अलग अलग बातें हैं और इनमें संतुलन बेहद जरूरी

अगली गर्मियों में करीना कपूर को बड़े परदे पर उतरे 25 साल हो जाएंगे। साल 2024 उनके लिए शानदार जा रहा है। क्रू कमाल दिखा चुकी है। सिंघम अगेन दिसंबर में आने वाली है और उससे पहले आ रही है बकिंघम मर्डर्स। इस बार चार बातें करीना कपूर की. ये मैं मानती हूं। इस काया के लिए मैंने डेढ़ साल तक कुछ भी ढंग का खाया नहीं था। मेरे करियर की पहली एक्शन फिल्म थी टशन और उसके बाद से मैंने कोई दूसरी एक्शन फिल्म की भी नहीं है। लेकिन, अब जो समय है वह कलाकारों के लिए बेहतरीन समय है। मेरा मानना है कि इंसान को जीवन में महत्वाकांक्षी होना जरूरी है। मैं भी हूं। लेकिन, इसके लिए मैं खुद को परेशान भी नहीं कर सकती। ऐसी कोई भी उम्मीद जो मुझे मानसिक रूप से परेशान कर सकती है, मुझे पसंद नहीं है। कामयाबी और जीवन दो अलग अलग बातें हैं और इनमें संतुलन बेहद जरूरी है। एक अभिनेता को अब सिर्फ अभिनय पर ध्यान देने की जरूरत है, सिक्स पैक या एट पैक एब्स पर नहीं। बॉबी देओल और रणबीर कपूर ने अपने अभिनय से लोगों के दिल जीते हैं। उनकी कद काठी हृष्ट पुष्ट व्यक्तियों की है लेकिन दोनों की बात जब भी होती है तो उनके अभिनय के लिए होती है। बॉबी जिस मोड़ पर हैं, अपनी मेहनत से हैं। रणबीर ने बतौर अभिनेता खुद को बार बार साबित किया है। मैं मानती हूं कि पति-पत्नी के बीच रिश्ता ऐसा होना चाहिए कि दोनों एक दूसरे से निष्पक्ष सलाह की उम्मीद कर सकें। मानना, न मानना हमारे ऊपर है। सैफ मुझसे तमाम बातों पर मशविरा करते हैं। वह उसे मानते हैं कि नहीं, ये उनकी मर्जी है। जैसे मैंने उनकी सारी फिल्में देखी हैं, वे मेरी सारी फिल्में देखें, मैं इसकी जिद कभी नहीं करती।

मेकाथलॉन 2024 मुंबई संस्करण में भविष्य के लिए तैयार तकनीक के साथ युवा छात्र इनोवेटर्स प्रवीणत हुए

मुंबई। मुंबई सिटी संस्करण मेकाथलॉन 2024, द्वारा आयोजित एक प्रमुख STEM उत्सव राष्ट्रमंडल युवा परिषद, राष्ट्रमंडल छात्र संघ और सतत विकास के लिए वैश्विक समझ (जीयूएसडी)के सहयोग से, एक शानदार सफलता थी। 8 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के 2000 से अधिक छात्र रोबोटिक्स और सतत विकास परियोजनाओं में अपने कौशल और नवीनता का प्रदर्शन किया। रोबोटिक्स और विज्ञान दोनों श्रेणियों में मुंबई सिटी संस्करण के विजेताओं ने अगले महीने नवंबर में होने वाले ग्रैंड फिनाले के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मुंबई सिटी संस्करण के रोबोटिक्स और विज्ञान दोनों श्रेणियों के विजेताओं को ग्रैंड फिनाले में जगह मिलेगी, जो अगले महीने नवंबर में होने वाला है। इस STEM उत्सव में

छात्र नवप्रवर्तन के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और रचनात्मकता दोनों को प्रदर्शित करते हुए वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए STEM सिद्धांतों को लागू करने के लिए एक मंच प्रदान किया। प्रतिभागियों ने सहयोग और समस्या समाधान की मजबूत भावना, भविष्य में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए STEM शिक्षा की क्षमता का प्रदर्शन किया और उस तक प्रकाश डाला। ये कार्यक्रम अवधारणा के विद्यालय प्रतिनिधि, मुलुंड ईस्ट कैंपस प्रिंसिपल डॉ शैलजा तुलसी, ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा, मेकाथलॉन 2024 मुंबई संस्करण ने हमारे छात्रों की असाधारण रचनात्मकता और सरलता को प्रदर्शित किया, यह STEM शिक्षा का प्रदर्शन वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर कितने प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है ये अनुमान लगाया। इस STEM उत्सव का एक सशक्त दृष्टिकोण है जो अगली पीढ़ी को नवाचार करने, सहयोग करने और सार्थक परिवर्तन लाने के लिए सशक्त बनाता है। छात्रों की उत्कृष्ट परियोजनाएँ रळएट अवधारणाओं की गहरी समझ और वैश्विक समस्याओं को हल करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करती हैं। श्लोक श्रीवास्तव, ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल में ऑर्किड करियर फाउंडेशन प्रोग्राम (ओसीएफपी) के प्रमुख ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा- मेकाथलॉन 2024 मुंबई संस्करण के दौरान विकसित की गई नवीन परियोजनाओं ने रळएट शिक्षा और नवीन सोच के बीच अविश्वसनीय तालमेल का प्रदर्शन किया।

वॉक फॉर फ्रीडम के जरिये 200 से अधिक नागरिकों ने मानव तस्करी के बारे में बढ़ाई जागरूकता

गया। मानव तस्करी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आज सुबह गया में कॉलेजों, सरकारी एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों के 200 से अधिक नागरिकों ने वैश्विक वॉक फॉर फ्रीडम में भाग लिया। वॉक की शुरूआत मुख्य अतिथि सुबोध कुमार सिन्हा, डिप्टी एसपी एवं नोडल ऑफिसर मानव व्यापार रोधी इकाई, गया ने की। उन्होंने कहा, मानव तस्करी एक विश्वव्यापी समस्या है और गया भी इसका अपवाद नहीं है। इसलिए, हमें यहां इससे निपटने के लिए एक रूपरेखा तैयार करनी चाहिए।

हमें अपने शहर गया में मानव तस्करी को रोकना होगा। वॉक का नेतृत्व एनजीओ दासहरा, जस्टिस वेंचर्स इंडिया, न्याय नेटवर्क, गया पुलिस एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने किया।

इसमें कॉलेज, गैर सरकारी संगठन (प्रयास और सेंटर डायरेक्ट) व अन्य विभागों के सामाजिक कार्यकर्ता और सरकारी अधिकारी भी शामिल हुए। यह मानव तस्करी को समाप्त करने का एक वैश्विक समन्वित प्रयास है, जो दुनिया भर के 50प्लस देशों और 500प्लस स्थानों पर आयोजित किया गया। इस दौरान नागरिक मानव तस्करी की वास्तविकता के बारे में बताती हुई तख्तियां लेकर सड़क पर चलते हैं। यह मौन वॉक है, जो मानव तस्करी के खामोश पीड़ितों के लिए एकजुटता प्रदर्शित करता है।

वॉक की शुरूआत में, प्रतिभागियों को मानव तस्करी के संकेतों और संदिग्ध स्थितियों को देखने पर कॉल करने के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबरों के बारे में शिक्षित किया गया, जैसे कि 1098 (संकट में बच्चों के लिए चाइल्डलाइन हेल्पलाइन), 181 (महिलाओं के लिए राष्ट्रीय पुलिस हेल्पलाइन), और 112 (राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया)। प्रतिभागियों ने इन नंबरों को अपने फोन में सहेज लिया, और अपने समुदाय के भीतर मानव तस्करी को समाप्त करने में मदद करने के लिए सक्रिय कार्रवाई करने वाले सतर्क नागरिक बनने की शपथ भी ली। इसके बाद प्रतिभागियों ने गया के गांधी मैदान, इंडोर स्टेडियम एवं आयुक्त आवास के सामने से शुरू होकर आसपास के सार्वजनिक मार्गों से वापस पैदल यात्रा की।

विश्व स्तर पर, वॉक की मेजबानी ए21 द्वारा की जाती है, जो आधुनिक समय की गुलामी के खिलाफ लड़ाई में एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है। भारत में वॉक का आयोजक द मूवमेंट इंडिया है, जो मुंबई स्थित एक सामाजिक-प्रभाव टीम है, जो मानव तस्करी को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर सार्वजनिक वकालत पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस वर्ष, वॉक भारत के 14 राज्यों में 100 से अधिक स्थानों पर हुई, जिसमें 30,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सक्षम करवरिया अपनी बहनों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज की दिवंगत विधायक रही नीलम उदयभान करवरिया के सुपुत्र सक्षम करवरिया अपनी बहन साक्षी एवं मीनाक्षी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। परिवार को दुख की घड़ी में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रदेश नेतृत्व जिस प्रकार खड़ा रहा। सक्षम ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार प्रकट किया।

धोखे से मार देते हैं गीदड़ भी शेर को..., बाबा सिद्दीकी के बेटे की पोस्ट किसके लिए?

मुंबई। पूर्व मंत्री और अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी। फिलहाल मुंबई पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है और कई आरोपियों को भी गिरफ्तार कर चुकी है। इसी बीच शनिवार को बाबा सिद्दीकी के बेटे विधायक जीशान सिद्दीकी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट की है। इस पोस्ट में वो उन्होंने अपने पिता और उनके कातिलों को लेकर कुछ लिखा है। दरअसल बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने अपने एक्स अकाउंट पर शाम 6 बजे के करीब एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि बुजदिल डराया करते है अक्सर दिलेर को, धोखे से मार देते हैं गीदड़ भी शेर को। इस पोस्ट में वो अपने पिता बाबा सिद्दीकी के हत्यारों को गीदड़ बता रहे हैं और उन्हे शेर है। वहीं जीशान की इस पोस्ट पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। कुछ यूजर उनका सपोर्ट करते हुए दिखाई दे रहे हैं तो कुछ उनके पिता पर ही सवाल उठा रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को भी जीशान सिद्दीकी ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुलाकात करने के बाद एक्स पर एक पोस्ट की थी। जीशान सिद्दीकी ने एक्स पर लिखा, ' 'Not all that is hidden sleeps, Nor all that is visible speaks' इसका मतलब है जो छिपा है वह सब सो नहीं जाता, न ही जो दिखाई देता है वह बोलता है। इस पोस्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। उन्होंने एक्स पर यह रहस्यमयी पोस्ट लिखी। यह पोस्ट किस संदर्भ में और क्यों की गई, यह साफ नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा जिला की बैठक सम्पन्न

नालासोपारा। नालासोपारा पश्चिम के जनसंपर्क कार्यालय में नालासोपारा विधानसभा के प्रमुख पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्ष राजन नायक की बैठक ली गई। उक्त बैठक में नालासोपारा विधानसभा प्रभारी धर्मेश जी पंड्या और विधानसभा प्रमुख राजन नाइक ने भाग लिया और मार्गदर्शन किया। सभी प्रमुख पदाधिकारियों की चुनाव को लेकर बेहद महत्वपूर्ण चर्चा और रणनीति की योजना बनाई गई। इस समय भाजपा के कमल निशान पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी को अधिक मतों से जिताने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष निलेश राणे सहित जिला महासचिव विजय मांडवकर, निशा फाटक, राजेश किनी, विजयता सुर्वे, सुरेंद्र झोर सहित सभी जिला पदाधिकारी और विधानसभा के मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे. बैठक के अंत मे ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष नीलेश राणे ने बताया की विधानसभा का उमेदवार सालोसे भाजप का काम करणे वाला और सक्षम हो।